तापमान

अधिकतम 30 डिग्री

न्यूनतम 24 डिग्री

हरिभूमि

इस्पात भूमि

रायपुर, मंगलवार, 7 अक्टूबर, 2025

भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर

13 असमय वर्षा से किसान परेशान, फसल और व्यापार को हो रहा आर्थिक नुकसान

न्यू

ओम ज्वेलर्स

हर 6000/- की खरीदी पर एक चांदी का सिक्का फ्री

शुद्ध सोने एवं चांदी के जेवरों के विक्रेता

टोटल हालमार्क ज्वेलरी उपलब्ध

जवाहर मार्केट, मेन सर्विस रोड, पावर हाऊस, भिलाई SUNDAY OPEN

शुभ खरीदी के लिए ओम ज्वेलर्स परिवार में आपका स्वागत है

▪ मिनीमम एमाउंट में बुकिंग करें ▪ जितना सोना उतना चांदी फ्री

संबंधित प्रतिष्ठान : ओम ज्वेलर्स

शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग | बाजार चौक, कुम्हारी | रिसाईपारा, धमतरी

खबर संक्षेप

गार्डन में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पाटन। पाटन नगर पंचायत के राजीव गार्डन में रविवार को एक युवक ने स्ट्रीट लाइट में फांसी फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। सुबह मार्निंग वॉक करने वालों ने युवक को लटके देखकर गार्डन के चौकीदार को सूचना दी उसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। जानकारी के अनुसार पवन ढीमर (उम्र लगभग 20 वर्ष) ने राजीव गार्डन स्थित पोल में रस्सी डालकर फांसी लगा ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया कि घटना के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

11 पुलिस अधिकारियों का किया तबादला, दो टीआई लाइन अटैच

दुर्ग। एसएसपी विजय अग्रवाल ने 6 टीआई, दो एसआई और तीन एएसआई सहित 11 पुलिस अधिकारियों का तबादला अलग अलग थानों में किया है। एसएसपी ने जहां दो टीआई को लाइन अटैच किया है तो वहीं तीन को रक्षित केंद्र से लाकर नए थाने की जिम्मेदारी दी है। एसएसपी विजय अग्रवाल ने यह आदेश 4 अक्टूबर को जारी किया, जो कि 5 अक्टूबर की देर रात ऑफिसियल पुलिस वाट्सअप ग्रुप में डाला गया। जारी आदेश के मुताबिक पुलिस लाइन में अटैच थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा को भिलाई नगर और रामेंद्र कुमार सिंह को जामुल और बसंत कुमार बघेल को अमलेश्वर थाने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा भिलाई नगर थाना प्रभारी प्रशांत मिश्रा को भिलाई नगर से हटाकर वैशाली नगर थाने की जिम्मेदारी दी गई है। जामुल थाना प्रभारी राजेश मिश्रा और पुलगांव थाना प्रभारी प्रकाशकांत को लाइन अटैच किया गया है। इसके साथ ही वैशाली नगर थाने के प्रभारी एसआई अमित अंदानी को पुलगांव जैसे बड़े थाने की जिम्मेदारी दी गई है। पुलगांव में पदस्थ एसआई खेलन साहू को अंजोरा चौकी प्रभारी बनाया गया है। वहीं एएसआई राजकुमार देशमुख को पुलगांव थाने से नगपुरा चौकी भेजा गया है। एएसआई संतोष साहू को अंजोरा चौकी से साइबर सेल दुर्ग और एएसआई मनोज यादव को चौकी प्रभारी नगपुरा से हटाकर भिलाई तीन थाने भेजा गया है।

हर महीने सरकारी राशन दुकान संचालकों से रकम वसूली के लिए बुलाई जाती थी बैठक

इस्पात क्लब सेक्टर 2 में बुलाई गई मीटिंग का हुआ स्टिंग, राशन दुकान संचालक खाद्य अधिकारी के नाम पर कर रहा था अवैध वसूली

डॉ. संदीप उपाध्याय ⏭भिलाई

दुर्ग जिले में सरकारी राशन दुकानों (कॉपरेटिव) से चावल की तस्करी होना आम बात हो गया है, लेकिन इसमें विभाग के अधिकारियों की संलिप्तता है इसका खुलासा हरिभूमि के स्टिंग में हुआ है। यह स्टिंग सेक्टर 2 स्थित इस्पात भवन में हुई उस मीटिंग का है, जहां सेक्टर 2 में कॉपरेटिव दुकान चलाने वाला अजय मेश्राम नाम का व्यक्ति खाद्य अधिकारी वसुधा गुप्ता के नाम पर सभी कॉपरेटिव संचालकों से 2-2 हजार रुपए की रिश्वत ले रहा था।

सरकारी राशन दुकान का संचालन करने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि दुर्ग जिले में खाद्य विभाग में पदस्थ खाद्य अधिकारी वसुधा गुप्ता टाउनशिप में संचालित जोन 5 व 6 के सभी राशन दुकान संचालकों की महीने में एक बार गुप्त मीटिंग बुलाती हैं। वो नारंगी रंग की कार से आती हैं। उस बैठक में मौजूद अजय मेश्राम अन्य राशन दुकान संचालकों से दो-दो हजार रुपए लेता है। इसके बाद इस कलेक्शन को मैडम को दिया जाता है। यह भी जानकारी मिली की नवंबर महीने के हिसाब के लिए होने वाली बैठक सोमवार 6 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे इस्पात भवन सेक्टर 2 में रखी गई है। हरिभूमि की टीम वहां ढाई बजे से बैठ गई। थोड़ी देर में वहां कुछ लोग दो पहिया व चार पहिया वाहन से पहुंचने लगे। वहां जाकर जब मामले का स्टिंग किया गया तो पाया गया कि अजय मेश्राम सभी कॉपरेटिव दुकान चलाने वालों से 2-2 हजार रुपए ले रहा है। इतना ही नहीं कुछ लोगों से उसने रकम ऑनलाइन अपने फोन पर लिया।

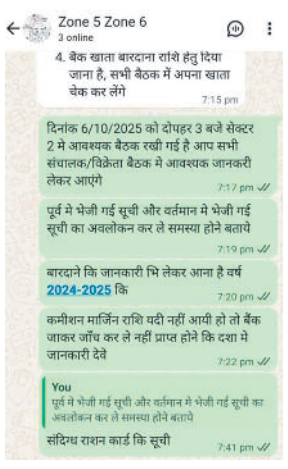

मीडिया के बारे में जानकारी लगते ही भाग खड़े हुए लोग

जैसे ही वहां मौजूद लोगों को पता चला कि उनकी मीटिंग की जानकारी मीडिया को लग गई है तो वो भागने लगे। अजय मेश्राम अपनी दो पहिया स्कूटी छोड़कर पीछे के रास्ते से चला गया। साथ ही वसुधा गुप्ता को भी जानकारी दे दी गई, जिससे वो वहां नहीं आईं।

बिना बुकिंग इस्पात क्लब में मीटिंग को लेकर खड़े हुए सवाल

सेक्टर 2 स्थित इस्पात क्लब में कॉपरेटिव संचालकों की मटिंग तो अजय मेश्राम ने बुला लिया, लेकिन उसके लिए ना तो पहले से कोई बुकिंग थी ना क्लब के पदाधिकारियों को जानकारी। वहां मौजूद सुरेश चंद्र ने बताया कि वो क्लब के मेंबर हैं, इस मीटिंग के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है, ना ही उसके लिए कोई बुकिंग कराई गई थी। वो इसकी शिकायत क्लब के पदाधिकारियों से करेंगे। इस तरह बिना जानकारी क्लब में मीटिंग करने से वहां की व्यवस्था और विश्वनियता पर सवाल उठेंगे।

वाट्सअप में मीटिंग का दिया आदेश फिर पूछने पर मुकरी अधिकारी

खाद्य अधिकारी वसुधा गुप्ता से जब पूछा गया कि उन्होंने इस तरह एक बाहरी प्लेस में राशन दुकान संचालकों की बैठक क्यों बुलाई, तो उन्होंने साफ कह दिया कि उन्होंने कोई मीटिंग नहीं बुलाई। जब उन्हें उनके वाट्सअप ग्रुप और चैट का स्क्रीनशॉट होने की बात कही गई तो उन्होंने कहा कि उन्होंने मीटिंग बुलाई थी, लेकिन इस्पात क्लब में नहीं बुलाई थी, उस बैठक के बारे में उन्हें जानकारी नहीं है। जबकि अजय मेश्राम ने साफ कहा कि ये मीटिंग मैडम ने राशन दुकान से संबंधित जानकारी के लिए बुलाई है। उसने उस वाट्सअप ग्रुप का स्क्रीन शॉट भी दिया, जिसमें मैडम और उनके बीच चैट हुई है।

जिला खाद्य अधिकारी ने ऐसी किसी भी मीटिंग की जानकारी होने से किया मना

मुझे ऐसी किसी भी मीटिंग के बारे में ना तो वसुधा गुप्ता ने जानकारी दी थी ना पता है। उन्होंने इस्पात क्लब में मीटिंग क्यों बुलाई, वहां क्या हो रहा था, उसके बारे में अधिक जानकारी वो ही दे पाएंगी।

- -अनुराग सिंह, जिला खाद्य अधिकारी दुर्ग

फिर से तीन हेरोइन तस्कर चढ़े पुलिस के हत्थे, अब तक 24 को भेजा जा चुका जेल

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

दुर्ग पुलिस ने एक बार फिर नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए हिरोइन यानि चिट्टा की अवैध तस्करी करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तीनो आरोपी भिलाई के रहने वाले हैं। चिट्टा बेचने के मामले में पुलिस अब तक 24 लोगों को जेल भेज चुकी है। इस बार की कार्रवाई मोहन नगर थाना और

▪ पंजाब से भिलाई तक तस्करी करने चैनल बनाकर करते थे काम

एसीसीयू की टीम ने की है। उन्हें सूचना मिली थी कि भिलाई के जामुल थाना क्षेत्र अंतर्गत कुरुद गांव निवासी आशीष सिंह उर्फ मुज्जी, हाउसिंग बोर्ड निवासी अजय सोनी और देवार मोहल्ला छावनी निवासी लोकेश अवस्थी उर्फ लल्ली चिट्टा की तस्करी करते हैं। वो लोग बकायदा पूरी प्लानिंग के साथ पंजाब से भिलाई तक एक चैनल बनाकर काम करते हैं। वहां से चिट्टा भिलाई पहुंचने पर उसे अलग-अलग लोगों को बेचते हैं। पुलिस ने सोमवार 6 अक्टूबर को तीनों लोगों को गिरफ्तार किया।

नॉर्मल कॉलिंग में नहीं करते थे बात

गिरफ्तार आरोपी इतने शातिर हैं कि वो चिट्टा खरीदने बेचने की बात किसी से भी नॉर्मल मोबाइल फोन कॉल पर नहीं करते थे। उसके लिए वो वाट्सअप कॉलिंग का उपयोग करते थे। बात हो जाने के बाद पहले चिट्टा के वजन के मुताबिक ऑनलाइन या दूसरे माध्यम से पैसा मंगाते थे, उसके बाद अपने लड़के भेजकर पैसा देने वाले तक हेरोइन की सप्लाई करवाते थे।

शिकायत के बाद भी जामुल पुलिस नहीं करती थी कार्रवाई

जिस आशीष सिंह उर्फ मुज्जी को पुलिस ने चिट्टा तस्करी में गिरफ्तार किया है वो जामुल में नकटा तालाब के पास बने मंदिर में अपने दोस्तों के साथ बैठता था। ये लोग देर रात तक वहां बैठे रहते और वहां गांजा, शराब व अन्य मादक पदार्थों को सेवन करते हैं। जामुल पुलिस या 112 में शिकायत करने पर टीम तो आती थी, लेकिन सिर्फ उन्हें वहां से दौड़ाकर लौट जाती थी। पुलिस की गाड़ी के जाते ही फिर से ये लड़के वहां नशा करने बैठ जाते हैं। अभी भी वहां इसी तरह नशा करने वाले लड़कों का रातभर जमावड़ा लगा रहता है।

गाली गलौज करने पर बेटे ने की पिता की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

दुर्ग पुलिस ने अपने पिता की हत्या करने वाले आरोपी बेटे गजेंद्र साहू को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा है। दोनों के बीच गाली गलौज को लेकर झगड़ा हुआ। बेटे ने पिता को बुरी तरह पीटा। गंभीर रूप से घायल हो जाने पर पिता होरीलाल साहू को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने गजेंद्र को गिरफ्तार किया और न्यायिक हिरासत में भेजा है। हत्या का मामला कुम्हारी थाना अंतर्गत ग्राम अकोला का है। बीते 4 अक्टूबर की रात 8.30 बजे अकोला निवासी होरीलाल साहू रोज की तरह शराब के नशे में घर पहुंचा और गाली गलौज कर झगड़ा करने लगा। इस पर उसके बेटे गजेन्द्र साहू ने अपने पिता

को शराब पीकर गाली गलौज कर झगड़ा करने से मना किया। इससे दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर गुस्से में आकर गजेंद्र ने अपने पिता को हाथ मुक्का से मार दिया। इससे होरीलाल जमीन पर गिरा और सिर जमीन पर टकराने से फट गया और माथे में चोट आई। उसे घायल हालत में तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसकी मौत हो गई। एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि मर्ग जांच के दौरान मृतक होरीलाल साहू की शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में सिर में आयी चोटों के कारण मौत होना पाया गया। गजेन्द्र साहू ने होरीलाल के साथ मारपीट की थी। इसके कारण उसे चोटें आईं थीं। कुम्हारी पुलिस ने आरोपी गजेन्द्र साहू के खिलाफ धारा 103(1) बीएनएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें जेल दाखिल किया गया है।

चिरपोटी में दो बाइक की भिड़ंत, एक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

अंडा थाना अंतर्गत ग्राम चिरपोटी में दो मोटर साइकिल की भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मामले में आरोपी बाइक चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने ताया कि घटना 1 अक्टूबर की रात करीब साढ़े 9 बजे की है। मृतक नीलमणि पिता लछन ठाकुर उम्र 25 साल निवासी सिर्री थाना रनचिरई बाइक सीजी 07 एएन 0815 से सिर्री से रिसामा जा रहा था। तभी घटना स्थल पर बाइक सीजी 24 डब्लू 4683 के चालक ने तेज व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए ठोकर मार दी। गंभीर रूप से घायल नीलमणि को इलाज के लिए शंकराचार्य अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस की जांच जारी है।

शिवनाथ में डूबे युवक का मिला शव तांदुला नहर में अभी भी तलाश जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

दुर्ग जिले में रविवार को शिवनाथ नदी और तांदुला नगर में बहने के दो अलग अलग घटनाएं घटी थीं। इसमें एसडीआरएफ दुर्ग की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर शिवनाथ में डूबे युवक के शव को खोजकर बाहर निकाल लिया है, वहीं तांदुला नगर में तलाश जारी है।

एसडीआरएफ प्रभारी नागेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पुलगांव थाना अंतर्गत आने वाली अंजोरा चौकी के ग्राम पीपरछेड़ी में शिवनाथ नदी में भिलाई से 5-6 युवक नहाने के लिए गए थे। उसमें शशांत प्रधान पिता कृष्ण प्रधान (28 साल) तैरना जानता था। तैरते तैरते वो नदी के तेज बहाव में आ गया। इससे पहले कि उसके दोस्त

उसे बचा पाते वो बहाव में बह गया। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम ने रविवार शाम को रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया, लेकिन उसका पता नहीं चला। इसके बाद सोमवार सुबह फिर से टीम रेस्क्यू करने उतरी। सोमवार को कुछ घंटों के बाद शव को खोजकर नदी से बाहर निकाला गया। पुलगांव पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा, जिसके बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया गया है। शशांत माडल टाउन नेहरू नगर में रहता था। उसकी मौत के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पुलिया से नहर में लगाई थी छलांग

डुंडेरा क्षेत्र के रहने वाला विनय पटेल (28 साल) और तांदुला नहर में नहाने के लिए उतरा। उसने पुलिया से नहर में छलांग लगा दिया। उस दौरान उसके साथ उसका दोस्त योगेंद्र भी था। दोनों शराब के नशे में थे। इससे उसने ध्यान नहीं दिया कि विनय बह गया है। जब लोगों ने देखा तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। एसडीआरएफ दुर्ग की टीम रविवार शाम से उसकी तलाश कर रही है, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला है। टीम मंगवार सुबह से फिर रेस्क्यू करने नहर में उतरेगी।

लगातार हो रही बारिश ने किसानों की बढ़ाई चिंता, मौसम विभाग का दावा 8 अक्टूबर के बाद हालात होंगे सामान्य

30 सितंबर को मानसून खत्म, लेकिन अक्टूबर के 6 दिनों में औसत से 40 प्रतिशत ज्यादा बारिश

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

30 सितंबर को खत्म हो चुके मानसून सीजन के बाद भी लगातार बारिश हो रही है। हालांकि मानसून की विदाई तक बारिश जारी रहती है, लेकिन अक्टूबर के पहले सप्ताह पूरे छत्तीसगढ़ में 45.6 मिमी बारिश हो चुकी है। दुर्ग जिले में 1 जून से 30 सितंबर तक 736.1 मिलीमीटर बारिश हुई, जबकि औसत 984.8 मिलीमीटर है। इस प्रकार औसत से करीब 25 प्रतिशत कम बारिश हुई। वहीं अक्टूबर महीने में 1 अक्टूबर से लगातार बारिश हो रही है। 6 अक्टूबर की स्थिति में 52.3 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। जबकि इन 6 दिनों का सामान्य औसत 17.2 मिमी है। इस प्रकार 204 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई है। सोमवार को भी जिले में पूरे दिन हल्की से मध्य स्तर की बारिश हुई। सोमवार को 23.2 मिमी बारिश रिकार्ड की गई। लगातार हो रही बारिश ने किसानों को मुश्किलें बढ़ा दी है। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले एक-दो दिन बारिश के हालात बने रहेंगे। इसके बाद मानसून की तीव्रता और गतिविधियों में कमी आएगी।

मानसून की विदाई 15 अक्टूबर के बाद होने का अनुमान

प्रदेश में मानसून सीजन 1 जून से 30 सितंबर तक रहता है। इस दौरान की बारिश ही मानसून की सीजनल बारिश के तौर पर रिकार्ड की जाती है। इसके बाद बारिश सालाना वर्षा में काउंट होती है। छत्तीसगढ़ से मानसून की विदाई आमतौर पर 15 अक्टूबर या उसके बाद ही होती है। ऐसे हालात में अक्टूबर के पहले पखवाड़े में बारिश होती ही है। इस साल महीने के पहले सप्ताह में ही बने मजबूत सिस्टम की वजह से अब तक अच्छी बारिश हो चुकी है। मौसम विभाग के अनुसार 6 अक्टूबर के बाद पूरे प्रदेश में मानसून की गतिविधियों में कमी आएगी। 8 अक्टूबर के बाद मौसम साफ होने की संभावना है।

बालोद को छोड़कर पड़ोसी जिलों में कम बारिश

मौसम विभाग की मानें तो बालोद को छोड़कर पड़ोसी जिलों में औसत से कम बारिश हुई है। 30 सितंबर की स्थिति में बेमेतरा में 596.5 मिमी, बालोद में 1200.8 मिमी, राजनांदगांव में 1102.5 मिमी पानी गिरा है। वहीं 1 अक्टूबर से 6 अक्टूबर के बीच दुर्ग में 52.3, बेमेतरा में 20, बालोद में 37.4 मिमी, राजनांदगांव में 25.4 मिमी पानी गिरा है। इधर दुर्ग जिले के अलग-अलग हिस्सों में भी बारिश जारी है। सोमवार को बोरी में जहां सूखा रहा, वहीं धमधा में 26.1 मिमी, दुर्ग में 14.4 मिमी, भिलाई में 7.4 मिमी पानी गिरा। बाकी जगहों पर हल्की से मध्य स्तर की बारिश हुई।

मौसम नहीं खुलने से धान की फसल को पहुंच रहा नुकसान

कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि मौसम नहीं खुलने से धान की फसल को नुकसान पहुंच रहा है। धान की फसल पर कीटों का प्रकोप बढ़ने लगा है। माहू नामक कीट ने बालियां निकलने से पहले ही फसल को नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया है। सामान्य तौर पर यह कीट बालियां निकलने के बाद अपना असर दिखाते हैं, लेकिन इस बार पहले ही इसका प्रकोप देखने को मिल रहा है। खास बात यह है कि किसानों द्वारा इसके असर को कम करने के लिए कीटनाशक का भी छिड़काव किया जा रहा है, लेकिन इसका असर नहीं हो रहा। पाटन, धमधा और दुर्ग कमोबेश तीनों ब्लॉक में एक जैसे हालात हैं। धूप खिल नहीं रही है, बादल छाए हुए हैं। इस बीच बारिश भी हो रही है। इसकी वजह से धान की फसल में कीट प्रकोप का खतरा बढ़ता जा रहा है। किसानों की चिंता बढ़ी हुई है।

भाजपा नेता का बेटा खिलवा रहा था क्रिकेट सट्टा, गिरफ्तार

भिलाई। भाजपा नेता नागेंद्र सिंह के बेटे अभिजीत सिंह को वैशाली नगर पुलिस ने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खिलवाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। मामले में अभिजीत फरार था। उसने सोमवार को दुर्ग न्यायालय में खुद को सरेंडर किया, वहां से उसे पुलिस रिमांड में लिया गया है। एएसपी सिटी सुखनंदन राठौर ने बताया कि एसीसीयू और वैशाली नगर पुलिस ने 28-29

सितंबर की रात वैशाली नगर में यूको बैंक के पीछे रहने वाले गजेंद्र साहू को ऑनलाइन सट्टा खिलवाने के आरोप में गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान पता चला कि उनके साथ सट्टा खिलवाने वालों में ईशू और अभिजीत सिंह भी शामिल है।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को

अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई

9300663610, 7489348301

खबर संक्षेप

युवक युवती परिचय सम्मेलन 9 नवंबर को गोंडवाना भवन में

दुर्ग। जिला साहू संघ दुर्ग का 34 वां युवक-युवती परिचय सम्मेलन 9 नवंबर को प्रातः 11 बजे से गोंडवाना भवन दुर्ग में आयोजित किया जाएगा। जिसमें विवाह योग्य युवक युवतियों द्वारा वैवाहिक पत्रिका परिचायिका में अपना पंजीयन कराने के लिए प्रतिभागी द्वारा पंजीयन पत्र व ऑफ लाइन अथवा ऑनलाइन पंजीयन किया जा सकता है। परिचय सम्मेलन के दिन मांगलिक पत्रिका परिचायिका का विमोचन भी किया जाएगा। जिसमें साहू समाज के विवाह योग्य युवक-युवती का नाम एवं बायोडाटा पत्रिका में प्रकाशित किया जाएगा एवं युवक युवती द्वारा अपना परिचय मंच के माध्यम से भी दिया जाएगा। जिला साहू संघ के अध्यक्ष नंदलाल साहू ने बताया कि परिचय सम्मेलन एवं पत्रिका के माध्यम से प्रतिवर्ष अनेक रिश्ते तय होते है एवं कुछ रिश्ते परिचय सम्मेलन के दिन भी अभिभावकों द्वारा आपस में मिलके उसी दिन तय हो जाते है। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों को इस परिचय सम्मेलन में अवश्य सम्मिलित होने चाहिए। यह जानकारी जिला मीडिया प्रभारी राकेश साहू ने दी।

जेआरडी स्कूल मैदान में लगेगा अस्थायी फटाका बाजार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा दीपावली पर्व के मद्देनज़र फटाका विक्रय की अनुमति प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देशानुसार निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत फटाका दुकानों के लिए अस्थायी स्टॉल लगाने की व्यवस्था की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के पालन हेतु निगम ने नियम एवं शर्तें तय की हैं। इसके अनुसार, वार्ड क्रमांक 39 स्थित जेआरडी स्कूल के पीछे मैदान में अस्थायी फटाका बाजार लगाया जाएगा, जहाँ पर अधिकृत व्यवसायियों को ही विक्रय की अनुमति दी जाएगी। निगम बाज़ार विभाग के अनुसार, इच्छुक व्यापारी 8 अक्टूबर तक आवेदन जमा कर सकते हैं। इसके पश्चात 9 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे लॉटरी प्रणाली के माध्यम से स्टॉल का आबंटन किया जाएगा। फटाका विक्रय केवल उसी स्थल पर और निर्धारित अवधि तक ही अनुमत होगा। नियमों का उल्लंघन करने पर कार्यवाही की जाएगी।

खुर्सीपार में शराब दुकान को लेकर 12वें दिन भी विरोध जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई / दुर्ग

शहर की भीड़ वाली जगहों पर शराब दुकान संचालन को लेकर लगातार लोगों का विरोध हो रहा है। विरोध बढ़ता जा रहा है। दुर्ग के ग्रीन चौक में संचालित अंग्रेजी शराब दुकान को लेकर भी लोगों ने विरोध शुरू कर दिया है। बता दें कि चौक पर ही मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई थी।

इस दौरान दुर्गा पंडाल के पास से शराब की दुकान होने की वजह से नशेड़ियों का जमघट लगा रहा। आए दिन भक्ति के लिए पहुंचने वाले लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। इस दौरान दुकान के पास पर्दा लगा दिया गया था। बावजूद इसके नशेड़ियों द्वारा लगातार गाली गलौच की जा रही थी। इसे लेकर स्थानीय लोगों ने कलेक्टर से शिकायत की है। उन्होंने कहा कि तत्काल शराब दुकान हटाई जाए, अन्यथा उग्र आंदोलन होगा। बता दें कि लंबे समय से दुकान का संचालन हो रहा है। आए दिन मारपीट, गाली गलौच और महिलाओं पर छींटाकशी की शिकायतें होती हैं। ट्रैफिक जाम की समस्या सामने आती है। बावजूद इसके शराब दुकान का संचालन बदस्तूर जारी है। इधर भिलाई के वार्ड-51 शिवाजी नगर में शराब दुकान को लेकर 12वें दिन भी विरोध जारी रहा।

दुर्ग शहर की भीड़ वाली जगह पर खोल दी गई शराब दुकान, लोगों की बढ़ रही नाराजगी

महिलाएं नहीं हटेंगी धरना स्थल से, जारी रहेगा विरोध

शिवाजी नगर खुर्सीपार की महिलाएं शराब भट्टी के विरोध में 12वें दिन भी धरने पर बैठी रहीं। उन्होंने कहा कि प्रशासन की ओर से भट्टी न खुलने का लिखित आश्वासन नहीं मिल जाता, तब तक वे धरना स्थल से नहीं हटेंगी। इस आंदोलन को आम आदमी पार्टी ने समर्थन किया है। लोकसभा उपाध्यक्ष जसप्रीत सिंह ने इस मामले में कलेक्टर, एसडीएम, आबकारी विभाग और छत्तीसगढ़ राज्यपाल को लिखित शिकायतें भेज दी हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से अभी तक कोई उचित और संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। महिलाओं ने सांसद विजय बघेल को भी वस्तु स्थिति से अवगत कराया है। महिलाएं प्रतिदिन सुबह 7 बजे अपने बच्चों के साथ धरने पर पहुंच रही हैं। रात 11 बजे तक वे धरने में शामिल हो रही है।

इंडियन वेटनरी एसोसिएशन और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन का सम्मेलन

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आगाज, मंत्री ने दुर्ग में नए एग्रीकल्चर कॉलेज खोलने की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

प्रदेश के आदिमजाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने सोमवार को इंडियन वेटनरी एसोसिएशन और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में वन हेल्थ सिनर्जी को मजबूत करना, अंतर-क्षेत्रीय नवाचार और एकीकरण के माध्यम से एएमआर (एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध) का मुकाबला विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। पृथ्वी पैलेस में हो रहे आयोजन में नेताम ने कहा कि सम्मेलन पशु एवं मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण और वन्य जीवों के बीच बहुक्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की हमारी साझा प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी।

इसका उद्देश्य वन हेल्थ फ्रेमवर्क के अंतर्गत एन्टीमाइक्रोबियल रेसिसटेंस (एएमआर) की बढ़ती चुनौती से प्रभावी ढंग से निराकरण करना है। सम्मेलन में दिए गए सुझाव को केन्द्र व राज्य सरकार को अवगत कराया जाएगा। ताकि इसका क्रियान्यन सरकार द्वारा और बेहतर ढ़ंग से किया जा सके। उन्होंने कहा कि समय के साथ दवा पर अनुसंधान भी बढ़े हैं। इनके उपयोग पर मानव आज उलझ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में उपयोग हेतु बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना आज भी एक चुनौती है। कृषि मंत्री श्री नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों से पशु पालन को बढ़ावा दिया जा सकता है। साथ ही कृषि के मामले में जैविक खेती पर जोर देते हुए कृषि मंत्री नेताम ने कहा कि किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती की दिशा में आगे आना चाहिए। उन्होंने दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर की मांग पर कामधेनु विश्वविद्यालय अंतर्गत दुर्ग में कृषि महाविद्यालय की घोषणा की। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल, विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, जिला पंचायत की अध्यक्ष सरस्वती बंजारे सहित अन्य मौजूद थे। विश्वविद्यालय की स्मारिका, सोवेनियर बकरी प्रशिक्षण कैलेण्डर का विमोचन भी किया गया।

पशु एवं मानव स्वास्थ्य व वन्य जीवों के बीच सहयोग पर सहमति

वेटनरी कॉलेज परिसर में रोपे गए पौधे

मंत्री राम विचार नेताम ने अपने उद्बोधन में बताया कि पशुधन के संपूर्ण उपचार एवं संवर्धन हेतु प्रयासों को अधिक गतिशील किया जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया। उन्होंने बताया कि ग्रामीण परिवेश में सामाजिक, आर्थिक उन्नयन, पशुधन के बहुआयामी क्षेत्र से विकास किया जा सकता है एवं नवाचार द्वारा पशुपालन को बढ़ाया हुआ दिया जाएगा। आयोजन सचिव डॉ. निधि रावत ने बताया कि यह सम्मेलन पशु एवं मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण और वन्यजीवों के बीच बहुक्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की हमारी साझा प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी, जिसका उद्देश्य वन हेल्थ फ्रेमवर्क के अंतर्गत एंटीमाइक्रोबियल रेजस्टिेंस की बढ़ती चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटना है।

विषय विशेषज्ञों को सुझावों से पशुपालन को मिलेगा बढ़ावा

सांसद विजय बघेल ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में विषय विशेषज्ञों के सुझावों से प्रदेश में पशुपालन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सम्मेलन का सुझाव शासन को प्रेषित किया जाए, जिससे राज्य के नीति निर्धारण में इन सुझावों को समावेशित किया जा सके। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री की सोच के अनुरूप संबंधित विभाग एन्टीमाइक्रोबियल रेसिसटेंस (एएमआर) की बढ़ती चुनौती पर प्रभावी ढ़ंग से कार्य कर रहें है। उन्होंने बताया कि निश्चित रूप से एंटीबॉयोटिक दवाओं का उपयोग चिकित्सकीय निदान पर ही किया जाना चाहिए। सम्मेलन को सफल बनाने में शोधकर्ताओं, पशुचिकित्सकों, चिकित्साविदो और विशेषज्ञों की भागीदारी एवं सुखद सुझाव सामने आएंगे।

देश के अलग-अलग हिस्सों से आए वैज्ञानिक कर रहे शिरकत

सम्मेलन में देश के अलग-अलग हिस्सों से आए वैज्ञानिक शिरकत कर रहे हैं। विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा ने भी अपनी बात रखी। कामधेनु विश्वविद्यालय के प्रभारी डीन डॉ. संजय शाक्य ने सम्मेलन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर भारत सरकार के पशुपालन आयुक्त डॉ. प्रवीण मलिक, कार्यपालन निर्देशक एवं एम्स रायपुर के सीईओ लेफ्टीनेंट जनरल अशोक जिंदल, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, कुलपति लुआस, हिसार (हरियाणा) डॉ. विनोद कुमार वर्मा, निर्देशक एनआईओएच नागपुर डॉ. प्रज्ञा यादव, मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड डॉ. जी. मणि, अध्यक्ष इंडियन वेटनरी एसोसिएशन डॉ. सुधिर कुमार सहित विभिन्न महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं निर्देशक शिक्षक उपस्थित थे।

रोजगार दिवस में ग्रामीणों को दी जाएगी क्यूआर कोड प्रणाली की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 7 अक्टूबर को होने वाले रोजगार दिवस के अवसर पर ग्रामीणों को क्यूआर कोड प्रणाली की जानकारी दी जाएगी। यह पहल महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत की जा रही है, जिसका उद्देश्य योजनाओं में पारदर्शिता और जनभागीदारी को बढ़ावा देना है।

- मनरेगा में पारदर्शिता की दिशा में एक और डिजिटल पहल

प्रत्येक माह की 7 तारीख को आयोजित होने वाले रोजगार दिवस में अब से ग्रामीणों को क्यूआर कोड स्कैन कर मोबाइल से ही पंचायत में पिछले तीन वर्षों के सभी स्वीकृत कार्यों, व्यय राशि, प्रगतिरत कार्यों, जॉब कार्डधारियों की संख्या और कुल सृजित मानव दिवस की जानकारी तत्काल मिलेगी। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में इसे शुरू किया गया है। इसके अंतर्गत जिले की सभी ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन एवं प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर क्यूआर कोड चस्पा किए जा चुके हैं।

सीईओ बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे रोजगार दिवस में इस क्यूआर कोड प्रणाली की जानकारी जनसामान्य को दें और जनजागरुकता अभियान चलाएं। यह डिजिटल पहल ग्रामीणों को योजनाओं की निगरानी का अधिकार देती है और शासन की डिजिटल पारदर्शिता की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो रही है। ग्रामीण अब घर बैठे अपने मोबाइल से पंचायत की विकास यात्रा की असली तस्वीर देख सकेंगे। यह पहल सिर्फ कागजी काम नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत में जवाबदेही और पारदर्शिता का डिजिटल आंदोलन है।

अब कोई भी ग्रामीण जान सकेगा कि उसके गाँव के विकास कार्यों में एक-एक रुपये का उपयोग कैसे हो रहा है। इससे न केवल भ्रष्टाचार पर रोक लगेगी, बल्कि योजनाओं पर जनता का भरोसा भी मजबूत होगा। रोजगार दिवस के अवसर पर इस नवाचार से हर गांव के लोग बनेंगे सशक्त सहभागी हैं जो केवल दर्शक नहीं, बल्कि अपने गांव के विकास की असली निगरानी करने वाले होंगे। ग्राम पंचायत स्तर पर तकनीक का यह उपयोग ग्रामीण समाज को देगा नई ताक़त, क्योंकि अब विकास का हिसाब होगा हर किसी की नज़रों के सामने होगा ।

आवास संकट से जूझ रहे ठेका श्रमिक, पुनर्वास के लिए लगाई गुहार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

मेहनतकश आवास अधिकार संघ और छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा ने संयुक्त रूप से श्रमिकों को पुनर्वास दिए जाने की मांग की है।

हॉस्पिटल सेक्टर में रहने वाले श्रमिक परिवार गंभीर आवास संकट का सामना कर रहे हैं। ये परिवार

- रैली निकालकर जताया विरोध

बीएसपी संयंत्र और सेक्टर-9 अस्पताल में वर्षों से ठेका मजदूर के रूप में कार्यरत हैं, जबकि इनके पूर्वज पिता और दादा बीएसपी संयंत्र में स्थायी कर्मचारी रह चुके हैं। हॉस्पिटल सेक्टर के 90 प्रतिशत निवासी अनुसूचित जाति और जनजाति समुदाय से आते हैं। ये श्रमिक परिवार चाहते हैं कि राज्य सरकार बिजली-पानी का किराया लेकर उन्हें वहीं रहने की अनुमति दे। बीएसपी इन आवासीय भवनों का समुचित रखरखाव कराकर उन्हें नियमित आवास दे। यदि ऐसा संभव नहीं है, तो बीएसपी कम से कम 10 एकड़ जमीन भिलाई नगर निगम को हस्तांतरित करे, ताकि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत इन्हें वैकल्पिक और सम्मानजनक आवास प्रदान किया जा सके। श्रमिकों ने सोमवार को रैली निकालकर संयंत्र निदेशक के नाम ज्ञापन सौंपा। श्रमिकों ने बताया कि संपदा विभाग द्वारा नोटिस वितरण की प्रक्रिया भी अनियमित और अमानवीय रही। नोटिस बच्चों को थमा दिए गए, जो फाड़ दिए गए या बारिश में भीग गए। सबसे चिंताजनक बात यह रही कि नोटिस पर किसी मकान मालिक या परिवार का नाम तक दर्ज नहीं था। 9 सितम्बर को पेशी थी, लेकिन नोटिस 16 सितम्बर को बांटे गए, जो स्पष्ट रूप से एकतरफा निर्णय लेने और पीड़ितों को परेशान करने की साजिश प्रतीत होती है। प्रदर्शन के दौरान पूर्व विधायक जनक लाल ठाकुर, राजेन्द्र परगनिहा, चन्द्रभान, चंद्रकला, व्हीएन प्रसाद राव, नारायण राव, मैरी, संजना, चमेली, सिंदुरिया, सुधा सागर, मन्नु ठाकुर, निरा, कलादास डेहरिया, सुरेन्द मोहन्ती, बेदन लाल, वंदना, महेश साहु सहित अन्य उपस्थित रहे।

साईं मंदिर में नेत्र परीक्षण शिविर का जरुरतमंदों को मिला लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

लायंस क्लब दुर्ग विजन द्वारा सेवा सप्ताह में समाजसेवी एवं रचनात्मक गतिविधियों को पूरे उत्साह के साथ मूर्तरुप प्रदान किया जा रहा है। सेवा सप्ताह के श्रृंखला में क्लब द्वारा सिविल लाइन कसारीडीह स्थित साईं मंदिर में

- 100 लोगों ने लिया शिविर का लाभ

निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आंखों की जांच के लिए लोग बड़ी संख्या में पहुंचे। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित जिज्ञासी एवं उनके स्टाफ ने सेवा दी।

शिविर में जांच के दौरान एक रोगी को मोतियाबिंद की शिकायत मिली। उक्त रोगी का क्लब द्वारा निःशुल्क आपरेशन कराया जाएगा। दो लोगों को चश्मा की आवश्यकता पर उन्हें तुरंत चश्मा उपलब्ध कराए गए। इसके अलावा अन्य रोगियों की आंखों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श दिए गए। शिविर से 100 से अधिक लोग लाभान्वित हुए। इसके पहले नेत्र परीक्षण शिविर का

लायंस क्लब के सदस्यों द्वारा विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर लायंस क्लब दुर्ग रीजन अध्यक्ष एमजेएफ लायन आरके वर्मा एवं सेवा सप्ताह संयोजक एमजेएफ लायन पीबी सक्सेना ने सेवा सप्ताह के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन लायन डॉ. रुचि सक्सेना ने किया इस अवसर पर लायन विशाल राजहंस, सुनंदा स्वामी, विभा गुप्ता, राजलक्ष्मी तिवारी, विनती अग्रवाल, दुर्गेश नंदिनी दुबे, साईं मंदिर समिति अध्यक्ष श्रीकांत समर्थ, सचिव धनेंद्र सिंह चंदेल, उपाध्यक्ष शिवाकांत तिवारी,कोषाध्यक्ष सुजीत गुप्ता के अलावा लायंस क्लब के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

जीएसटी 2.0 से स्थानीय व्यापार को मिलेगी नई ऊर्जा : महापौर अलका

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर के प्रमुख वाणिज्यिक केंद्र इंदिरा मार्केट और स्टेशन रोड में महापौर अलका बाघमार ने जनप्रतिनिधियों और भाजपा पदाधिकारियों की टीम ने दुकानों का दौरा कर स्थानीय व्यापारियों से मुलाकात की।

इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लागू किए गए नए जीएसटी रिफॉर्म (जीएसटी 2.0) के प्रभाव, लाभ और इसके स्थानीय व्यापार पर सकारात्मक असर को लेकर संवाद किया।महापौर बाघमार ने व्यापारियों को समझाया कि केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए जीएसटी 2.0 सुधार का उद्देश्य व्यापार को और अधिक सरल, पारदर्शी एवं जनहितकारी बनाना है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा दैनिक उपयोग की वस्तुओं, घरेलू उपभोग सामग्री, और छोटे व्यवसायिक उत्पादों पर टैक्स दरों में की गई कटौती से उपभोक्ताओं को सीधी राहत मिलेगी। इससे न केवल वस्तुओं की कीमतों में कमी आएगी बल्कि बिक्री और उपभोग में वृद्धि भी होगी।

इस दौरान कई व्यापारियों ने भी अपने विचार रखे। इंदिरा मार्केट के दुकानदारों ने बताया कि नए सुधारों से उन्हें टैक्स की गणना, बिलिंग और माल की आवाजाही में काफी सुविधा और स्पष्टता महसूस हो रही है। उन्होंने कहा कि इससे छोटे व्यवसायों को सशक्तिकरण मिलेगा और नकद लेनदेन पर निर्भरता घटेगी।

अकतई के स्कूल भवन की शीघ्र मरम्मत करवाने दिया आवेदन

उमदा में प्रदूषण फैला रहा क्रेशर प्लांट, स्थानांतरण की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टरअभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों

- जनदर्शन में 92 आवेदन प्राप्त हुए

को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर हितेश पिस्दा एवं उत्तम ध्रुव भी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 92 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में नगर निगम, समाज कल्याण, खाद्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कोडिया में ही सहकारी समिति रखने की मांग

ग्राम पथरिया एवं सहगांव के समस्त किसानों ने सेवा सहकारी समिति को कोडिया में रखने आवेदन दिया। किसानों ने बताया कि वे कई वर्षों से खाद-बीज व कृषि ऋण का लेन-देन कोडिया समिति से ही करते आ रहे हैं और धान खरीदी केन्द्र कोडिया ही उनके लिए सुविधाजनक है। चूंकि वर्तमान में नए धान खरीदी केन्द्र मेडेसरा प्रस्तावित है, जिसमें ग्राम पथरिया एवं सहगांव को भी जोड़ा जा रहा है जो दूरी में अधिक और असुविधाजनक है। इस पर कलेक्टर ने जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक को परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

जर्जर प्राथमिक शाला की मरम्मत करवाने दिया आवेदन

ग्राम पंचायत अकतई सरपंच ने प्राथमिक शाला भवन की मरम्मत करवाने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत अकतई तहसील पाटन के प्राथमिक शाला भवन की स्थिति जर्जर हो चुकी है। बारिश के दिनों में छत से पानी टपकने और मलबा गिरने की वजह से बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है और हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इस संबंध में विकासखंड शिक्षा अधिकारी को सूचित किया गया था, लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। सीईओ जनपद पंचायत को निरीक्षण कर तत्काल कार्यवाही करने को कहा।

बिना अनुमति के लगाया प्लांट हटाने के लिए आवेदन

वार्ड क्रमांक 06 उमदा के पार्षद एवं समस्त वार्डवासियों ने आवासीय क्षेत्र में क्रेसर प्लांट (बॉल मिल) स्थापित करने से हो रहे प्रदूषण की शिकायत की। वार्डवासियों ने बताया कि यह संयंत्र आवासीय क्षेत्र में बिना अनुमति के लगाया गया है, जिससे मानव स्वास्थ्य के साथ-साथ पशुधन को भी नुकसान हो रहा है। रिहायशी इलाके में ऐसे प्रदूषणकारी प्लांट को अनुमति कैसे मिल गई। निवासियों ने संयंत्र को औद्योगिक क्षेत्र में स्थानांतरित करने की माँग की है, ताकि पर्यावरण और जनस्वास्थ्य की रक्षा हो सके। इस पर कलेक्टर ने क्षेत्रीय कार्यालय छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल को परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

खबर संक्षेप

बीएसपी के यांत्रिकी अंचल ने शुरू किया स्वच्छता अभियान

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के यांत्रिकी अंचल द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान प्रारंभ हुआ। इस मुख्य महाप्रबंधक प्रमोद कुमार थे। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं बल्कि जीवनशैली का हिस्सा है। प्रत्येक विभाग प्रमुख को चाहिए कि वे अपने विभागों में नियमित रूप से सफाई के कार्यों को सुनिश्चित करें। इस अभियान के अंतर्गत अक्टूबर माह में सभी यांत्रिकी विभाग अपने-अपने क्षेत्रों में निर्धारित समय-सारणी के अनुसार सफाई करेंगे तथा सफाई से पूर्व एवं बाद की तस्वीरें साझा करेंगे। महाप्रबंधक राकेश पांडे, सुनील कुमार, पी जॉन वर्गीस, जी श्रीनिवास राव, प्रदीप्ता भौमिक, तथा मंदीप सिंह भोगल आदि अधिकारी उपस्थित थे।

निधन

हेमशंकर शर्मा

भिलाई । ब्राह्मण पारा पुरानी बस्ती जामुल निवासी, दुर्ग जिले के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जामुल के पूर्व अध्यक्ष हेमशंकर शर्मा 73 वर्ष का 6 अक्टूबर को निधन हो गया । उनकी अंतिम यात्रा 7 अक्टूबर को उनके निवास से सुबह 10 बजे निकलेगी जामुल के स्थानीय मुक्ति धाम के लिए निकलेगी। वे मुकेश शर्मा, चंद्रशेखर शर्मा एवं कमल शर्मा के पिता थे।

केआई जॉन

भिलाई। स्ट्रीट 2, आशीष नगर, रिसाली, भिलाई में निवासी केआई जॉन 71 वर्ष का 5 अक्टूबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार, 7 अक्टूबर प्रातः 10 बजे क्रिश्चियन कब्रिस्तान में अंत्येष्टि होगी। अंतिम यात्रा उनके निवास से निकलेगी। वे बिनु जॉन के पति, शैरी, मीनू, श्रुति व अनिश के पिता थे।

शरद पूर्णिमा स्वास्थ्य व संस्कार का अमृत पान कराके विद्यार्थियों को बनाती है होनहार

हरिभूमि न्यूज ⏭जामगांव आर

सरस्वती शिशु मंदिर में मनी शरद पूर्णिमा, अतिथियों ने छात्र-छात्राओं को दिए टिप्स

शरद पूर्णिमा उत्सव का आयोजन सोमवार को डॉ. हेडगेवार सदन में सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय द्वारा किया। मुख्य अतिथि परिक्षेत्रीय साहू समाज पूर्व अध्यक्ष कामता प्रसाद साहू थे।

अध्यक्षता प्राचार्य पूरनलाल बारले ने किया। विशेष अतिथि उप प्राचार्य लिकेश्वर साहू, आचार्य परमानंद टंडन, धनेश्वरी साहू, प्रीति साहू, डामिन साहू मंचासिन रहे। विधार्थियों ने गीत व्याख्यान के माध्यम से शरद पूर्णिमा उत्सव पर प्रकाश डाला। अंत में शरद पूर्णिमा का प्रसाद खीर का वितरण किया गया।

शरद पूर्णिमा स्वास्थ्य का खजाना

मुख्य अतिथि कामता प्रसाद साहू ने कहा कि शरद पूर्णिमा शरद ऋतु का आगमन का संदेश लेकर आती है। शरद ऋतु में भोजन स्वादिष्ट लगता है बल वर्धक पौष्टिक सब्जियां मिलती है शरीर स्वस्थ रहता है। शरीर को चुस्त दुरुस्त रखने प्रातः कालीन भ्रमण व्यायाम योग करना प्रारंभ हो जाता है। होनहार विद्यार्थी त्रैमासिक परीक्षा के परिणाम में आई कमी को दूर करने उत्कृष्टता लाने के लिए अर्ली मार्निंग उठकर अध्ययन प्रारंभ कर देते है। उन्होंने ने कहा कि भारत का प्रत्येक पर्व संस्कार से जीवन संवारने का संदेश देता है। शरद पूर्णिमा स्वास्थ और संस्कार का अमृत पान कराती है।

शरद ऋतु सबके लिए स्वास्थ रूपी अमृत प्याला

प्राचार्य पुरनलाल बारले ने कहा कि शरद पूर्णिमा तन मन की अनुकूलता का संदेश लेकर आती है। विद्यार्थी होनहार बनने पढ़ाई में अनुशासन प्रियता के साथ जुट जाए। भविष्य उज्ज्वल बनाने के लिए माता-पिता व गुरु की आज्ञा का अक्षरशः पालन करे। जीवन में वांछित मंजिल प्राप्त कर अमृत पान करे। शरद ऋतु सबके लिए स्वास्थ रूपी अमृत का प्याला लेकर आती है।

संस्कार का अमृतपान करने वाले बनते है होनहार

उप प्राचार्य लिकेश्वर साहू ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर विद्यार्थियों में संस्कार का भरपूर संचार करने के लिए भारतीय संस्कृति की पर्वों को प्राथमिकता के साथ मनाते हुए विद्यार्थियों को शामिल करती है। सनातन संस्कृति का सारा पर्व संस्कार का अमृत पान कराती है। संस्कार का अमृत पान करने वाले होनहार बनते है। शरद पूर्णिमा कार्यक्रम में पूर्वी बंजारे, हर्षिता टिकेश्वरी, चांदनी, मोनिका ठाकुर, जानवी, धात्री चंद्राकर ने शरद पूर्णिमा पर गीत, कविता प्रस्तुत कर वाणी का अमृत पान कराया। प्राचार्य पूरनलाल बारले, उप-प्राचार्य लिकेश्वर साहू, वरिष्ठ आचार्य हथेश्वर प्रसाद,आचार्य परमानंद टंडन, धनेश्वरी साहू,शशि यादव ,डामिन साहू ,प्रीति साहू ,सुनीता सेन की सराहनीय भूमिका रही।

माहू बीमारी आना शुरू, किसान खेतों में कर रहे हैं कीटनाशक का छिड़काव

असमय वर्षा से किसान परेशान, फसल और व्यापार को हो रहा आर्थिक नुकसान

हरिभूमि न्यूज ⏭सेलूद

प्राकृतिक आपदा ने बढ़ाई किसानों की परेशानी, नहीं हो रहा कीटनाशक का भी असर

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जहां एकतीस सौ रुपये समर्थन मूल्य में धान खरीदी करके जहां किसानों को आर्थिक रुप से मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन मौसम की मार ने किसानों को फसल पकने के समय परेशानी के साथ आर्थिक क्षति भी पहुंचा रहा है। जहां खरीफ फसल में किसान विभिन्न परेशानी के साथ धान का फसल तैयार कर लिए है लेकिन धान पकने के समय वर्षा होने से हार्वेस्टर से कटाई में भी दिक्कत आएगी। ग्राम गोडपेंड्री निवासी छबिराम चक्रधारी ने बताया कि ईट का व्यवसाय करते है लेकिन इस बारिश से कच्चे ईट भी खराब हो रहे हैं और ईट ठीक से पक भी नहीं पा रहे है।

हरिभूमि सरोकार

लगातार बारिश होने से हरहुना धान को हो रहा नुकसान

पाटन विधानसभा क्षेत्र के किसानों के हरहुना किस्म के धान 1010 में अब बालिया निकलने लगी है। हरहुना किस्म की यह धान में अब बाली आने के साथ किसान की मेहनत भी झलकने लगती है। ग्राम सेलूद के किसान रुपेश यादव ने बताया कि हरहुना किस्म की धान की रोपाई कार्य की जा चुकी है। शुरुआत समय में ही खेती अच्छे से होने और समय-समय में वर्षा होने से इस बार धान की फसल बहुत ही अच्छी है। हरहुना किस्म के सभी खेतों में लगभग बालियां आ चुकी है। इसके जैसे अन्य हरहुना किस्म के धान 1010 महमाया राजेश्वरी सहित इसी अवधि वाले धान पूर्ण रुप बाली निकल चुके है। इस वर्ष धान के लिए उपयुक्त वर्षा होने से धान की बंपर पैदावार होने की उमीद थी। लेकिन अभी प्रतिदिन वर्षा होने के कारण बालियों में लगे फूल झड़ जाने से धान की बाली नहीं पक पायेगा। लगातार वर्षा होने से फसल में माहू कीट का प्रकोप भी बढ़ गया है।

किसानों ने बताई अपनी पीड़ा

मौसम में गर्मी होने के कारण खेतों में माहू के साथ अन्य कीट पतंगा से पके फसल पर अनेक बिमारियां बढ़ गई है। माहो रातों रात फसल को चट कर जाती है। उन पर रासायनिक दवाइयों का असर भी नहीं हो रहा है। ग्राम सेलूद के किसान गैदलाल बंछोर ने बताया कि सवा दो एकड़ खेत में लगभग बीस हजार के कीटनाश दवाई का छिड़काव किया गया, लेकिन मौसम नहीं खुलने से फसल में बीमारी कट ही नहीं रही है। माहू कीट खेत के खेत चौपट कर रहे है। इसके कारण किसान की चिंता और बढ़ गई है। लगातार वर्षा होने के कारण अब सभी किस्म की फसलों में माहो किट लगने की संभावना अधिक बढ़ गई है। हरहुना के किस्म के धानों को वर्षा से हो रहा नुकसान है।

ग्राम सेलूद के किसान महेश्वर बंछोर ने बताया कि तीस एकड़ खेत में से बीस एकड़ खेत में हरहुना किस्म की धान राजेश्वरी का रोपाई किया। प्रतिदिन हुए इस वर्षा से धान के उत्पादन को प्रभावित जरुर करेगा। लगातार आसमान में बादल छाये हुये है और वर्षा होने से खेतों में बिमारी बढ़ने की आशंका बढ़ गई है। धान की फसलों के लिए सूर्य का प्रकाश महत्वपूर्ण है। लगातार आसमान छाए रहने से धान की फसल में विभिन्न प्रकार की बीमारी फैल रही है।

गौठान योजना सही संचालित नहीं होने के कारण गांव के किसान घुमन्तु पशुओं को दूसरे गांव में ले जाकर छोड़ रहे है। इससे स्थिति और विकट हो गई है। दर्जनों की संख्या में घुमन्तु पशु खेतों में पहुंचकर फसल को नुकसान पहुंच रहे है। इसका स्थायी हल नहीं निकल पा रहा है।

धान में माहू कीट का बढ़ा प्रकोप

ग्राम सेलूद के किसानों ने बताया कि धान की फसलों के लिए सूर्य का प्रकाश महत्वपूर्ण होता है। लगातार बदली व आसमान खुला नहीं रहने से वर्षा होने के कारण रात व दिन के तापमान अधिक होने के कारण धान की फसल में अब माहू कीट बिमारी होने लगी है। गौठान योजना को किसानों के द्वारा मिलकर चलाने से कुछ राहत जरुर मिली है। उसके बाद भी किसान फसल बचाने जतन कर रहे है। कई जानवरों से फसल को बचाने के लिए खेत के सभी रास्तों को बंद कर रहे है। गांव के किसानों ने फसल बचाने जानवर जाने के रास्तों में रात में पाली बनाकर रखवाली करते है।

शौचालय निर्माण में गड़बड़ी नेता प्रतिपक्ष ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭उतई

नगर पंचायत उतई में पूर्व अध्यक्ष डिकेंद्र हिरवानी के कार्यकाल में स्वीकृत शौचालय निर्माण 17 लाख रुपए की राशि से अभी वर्तमान में हो रहे शौचालय निर्माण पर सोमवार को नगर पंचायत उतई के नेता प्रतिपक्ष द्वारिका साहू ने अचानक निर्माण कार्य की जांच करने पहुंचे। जिस पर उसने गुणवत्ता एवं निर्माण हो रहे शौचालय की पानी तराई, कॉलम, बिंभ, ईट जोड़ाई पर सवाल उठाए निर्माण पर डाले जाने वाले रॉड कॉलम में गड़बड़ी बताया। साहू ने बताया कि निर्माण कार्य में ठेकेदार द्वारा कॉलम पर बिंभ पर रिंग की दूरी डेढ़ फीट और एक फिट की दूरी पर बांधा है। जो सही नहीं जिससे बिल्डिंग की मजबूती टिकाऊ नहीं होगा सही ढंग से शौचालय निर्माण नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए तत्काल नगर पंचायत के इंजीनियर आशीष भारती को ठेकेदार पर कार्रवाई के निर्देश दिए।

काव्य संग्रह पांव शिखर तक विमोचित

सेलूद। हेमन्त मढ़रिया का काव्य संग्रह पांव शिखर तक का विमोचन समारोह हुआ। दो वर्ष पूर्व हुई दुर्घटना के पश्चात हेमन्त द्वारा लिखी गई कविताएं इस संग्रह में संग्रहित है। समारोह के मुख्य अतिथि आचार्य डॉ.महेश चंद्र शर्मा थे। अध्यक्षता डॉ. परदेसी राम वर्मा एवं विशेष अतिथि के रूप में डॉ. खूबचंद बघेल शासकीय महाविद्यालय भिलाई-3 की प्राचार्य डॉ. अश्वनी महाजन ,डॉ. सुधीर शर्मा एवं जीएस चंद्राकर थे। डॉ. शर्मा ने कहा कि हेमन्त मढ़रिया संभावना शील कवि हैं ,जिनमें संघर्षों से लड़ने की साहस है, पांव भले ही कमजोर हो लेकिन पहाड़ पर चढ़ने का साहस रखने वाले यदि कोई कवि है तो वह हेमन्त मढरिया है। डॉ. वर्मा ने कहा कि हेमन्त मढ़रिया की छोटी सी लगने वाली कविताएं गहरा भावबोध लिए हुए हैं और जिनकी शीर्षको की अपनी अलग ही विशेषता है। डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि हेमन्त मढ़रिया की कविताएं सहज व सरल है। जो केवल हेमन्त के लिए नहीं बल्कि पाठकों को भी संदेश प्रदान करती है। डॉ. अश्वनी महाजन ने भी सराहना की।

बिजनेस साइट

सिद्धि रॉयल एनफील्ड में बुकिंग को लेकर ग्राहकों का जबर्दस्त उत्साह

भिलाई। त्योहारी माहौल और केंद्र सरकार के ऐतिहासिक फैसले ने इस बार दोपहिया बाजार को नए आयाम दिया है। जी ई रोड स्थित सिद्धि रॉयल एनफील्ड शोरूम में इन दिनों ग्राहकों की जबर्दस्त भीड़ उमड़ रही है। हर कोई अपने सपनों की बुलेट या क्लासिक बाइक की चाबी पाना चाहता है। शोरूम के डायरेक्टर रोमिल ने बताया कि भारत सरकार ने हाल ही में 350 सीसी या उससे कम क्षमता वाली मोटरसाइकिलों पर जीएसटी दर को 28% से घटाकर 18% कर दिया है। इस बड़े फैसले का सीधा असर रॉयल एनफील्ड की सबसे लोकप्रिय रेंज पर पड़ा है। हंटर 350, क्लासिक 350, मीटियोर 350 और बुलेट 350 जैसे धाकड़ मॉडल्स की कीमतों में लगभग 22 हजार रुपए तक की कमी देखी जा रही है। सिर्फ एक हफ्ते में ही सैकड़ों बुकिंग्स हो चुकी हैं, जो पिछले कई सालों के रिकॉर्ड को तोड़ रही है। ग्राहक न सिर्फ कैश बुकिंग कर रहे हैं बल्कि ईएमआई विकल्पों की डिमांड भी तेजी से बढ़ी है। सरकार की छूट के साथ ही आसान फायनेंस भी ग्राहकों को लुभा रहा है।

भारती आयुर्वेद कॉलेज के छात्रों ने किया शैक्षणिक परिभ्रमण

दुर्ग। भारती आयुर्वेद महाविद्यालय के द्वितीय व्यावसायिक के छात्रों ने शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, रायपुर का शैक्षणिक भ्रमण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मानस रंजन होता एवं उप प्राचार्य डॉ. अमीय भोंसले के मार्गदर्शन में किया। शैक्षणिक परिभ्रमण का उद्देश्य छात्रों को आयुर्वेदिक चिकित्सा, अनुसंधान और फार्मास्यूटिकल प्रक्रियाओं से प्रत्यक्ष साक्षात्कार कराना था। इस दौरान छात्रों ने शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय के हर्बल गार्डन, आयुर्वेद फार्मेसी, ड्रग्स टेस्टिंग लैबोरेटरी और अनुसंधान केंद्र का भ्रमण किया और विभिन्न आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों, औषधियों के निर्माण तथा उनका परीक्षण करने की प्रक्रियाओं को प्रत्यक्ष रूप से समझा , साथ ही साथ छात्रों ने रस शास्त्र, भैषज्य कल्पना विभाग, एवं द्रव्यगुण विज्ञान विभाग में आयोजित सत्रों में भाग लेकर आयुर्वेदिक सिद्धांतों और आधुनिक अनुसंधान पद्धतियों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। छात्र समूह के साथ इस शैक्षणिक भ्रमण में संकाय सदस्य डाक्टर शुभा तिवारी, डॉ. दीपमाला बंजारे, डॉ. रामेश्वर थवाईत, डॉ. अंकुर महाजन, डॉ. दीपेश चंद्रौल एवं गोविंद देशमुख उपस्थित रहे। इस उपक्रम से छात्रों ने न केवल शैक्षणिक ज्ञान अर्जित किया, बल्कि आयुर्वेदिक चिकित्सा और अनुसंधान के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त किया, साथ ही छात्रों के आयुर्वेदिक शिक्षा और अनुसंधान के प्रति उनकी रूचि एवं उत्साह में अभिवृद्धि की।

ओम ज्वेलर्स में लेटेस्ट डिजाइन के जेवर आकर्षक उपहार

भिलाई। ओम ज्वेलर्स शहर के हृदय स्थल में स्थित इंदिरा मार्केट दुर्ग शॉप नंबर 64 बी प्रिया श्रृंगार सदन के सामने स्थित ओम ज्वेलर्स अपने भव्य शोरूम के लिए जाना जाता है, जहां आपको अनगिनत डिजाइन देखने को मिलता है। सोनी ने बताया सोने की बढ़ती हुई महंगाई को देखते हुए मासिक ई योजना चालू किए हैं जिसमें 1000 से लेकर आपके बजट तक हर महीना का किस्त जमा कर सकते हैं। 12 महीने की रेगुलर किस्त जमा होने पर आपको एक महीने की किस्त ज्वेलर्स के द्वारा दी जाती है। वहीं पैसा लाने ले जाने का जोखिम को देखते हुए घर पहुंच सेवा उपलब्ध किया गया है जिसमें अपनी पसंद की डिजाइन को खरीद कर पेमेंट आप घर से भी कर सकते हैं। इसके अलावा टोटल ऑनलाइन, चेक, एटीएम, डेबिट कार्ड एक्सेप्ट किया जाता है। पुराने गहने को बिल्कुल नया बनाये वो भी बिना वजन घटे। ज्वेलरी की रिपेयरिंग की तत्काल सुविधा उपलब्ध है। आगे दीवाली त्यौहार सीजन को देखते हुए नई-नई डिजाइनों की विस्तृत रेंज उपलब्ध है जिसमें ग्राहक अपने मनपसंद डिजाइन बुकिंग कर पसंद की जेवर शुभ मुहूर्त पर ले जाएं। ओम ज्वेलर्स के संचालक ने बताया कि हमारे यहां टोटल 916 (22 कैरेट) 833 (20कैरेट) एवं 750 (18कैरेट) के टोटल हॉलमार्क गहने उपलब्ध हैं जिसमें भारत सरकार के द्वारा 6 अंकों का डिजिट कोड एच यू आईडी अंकित किया मिलेगा। पूरे शहर में सबसे कम दाम पर उपलब्ध हैं जिसमें 0% चांदी की मेकिंग चार्ज एवं सोने पर जितना सोना उतना चांदी फ्री एवं न्यूनतम मजदूरी दर के साथ ग्राहकों को उपलब्ध किया जाता है। शादी के गहने की खरीदी पर दूल्हा एवं दुल्हन को स्पेशल टूरिस्ट बैग, इंपोर्टेंट वॉच ओम ज्वेलर्स की तरफ से प्रदान किया जाता है। हमारी शॉप में हमेशा ग्राहकों का अच्छी भीड़ रहती है नए-नए डिजाइनों का हमेशा कलेक्शन उपलब्ध रहती है इसलिए आपको हमेशा लेटेस्ट फ्रेश डिजाइन व नई वैरायटी उपलब्ध रहती है आप एक बार शॉप अवश्य पधारे।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग क्विज़ 15 तक

उतई। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्त संस्था माय भारत के द्वारा विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2025-26 का आयोजन किया जा रहा है। उपनिदेशक नितिन कुमार शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम का पहला चरण 1 जुलाई से 15 अक्टूबर तक ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से आयोजित है जो 12 भाषाओं में उपलब्ध रहेगा। 10 मिनट के क्वीज में कुल 20 प्रश्न होंगे एवं पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा।

जगजीवन आयुर्वेद

धातु की कमी, नामर्दी उत्तेजना की कमी, लिंग में छोटापन, ढीलापन, पतलापन, टाईमिंग की कमी, शुगर से सेक्स में कमी, शुक्राणु की कमी संतान न होना, आदि सभी गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति से इलाज किया जाता है.

आज ही गारंटी से इलाज कराएँ

पुलगाँव चौक, महालक्ष्मी मार्केट शॉप नं.C11
दुर्ग, मो. 7869433660, 9399486858

मुकदमें के फैसले के बारे में समन्स

(सिविल प्रोसीजर कोड, आर्डर 5 रूल्स 1 और 5)
दीवानी मुकदमा नं. Succea 75/25 सन् 201...
अदालत (श्रीमती कामिनी जायसवाल)
तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, दुर्ग (छ.ग.)
आवेदक केलाश चंद्र शर्मा वगै.
अनावेदक श्रीमान शाखा प्रबंधक वगै.
बनाम आम जनता

क्योंकि मुझई मजकूर ने आपके खिलाफ धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम का मुकदमा दायर किया है, आपको इस समंस के जरिये हुक्म होता है कि आप इस अदालत में 06 माह 11 सन् 2025 ई. को दिन के 11 बजे खुद या ऐसे वकील के मार्फत जिसे कि मुकदमें की बातें ठीक-ठाक तौर से समझा दी हो और जो कि मुकदमें के बारे में कुल जरूरी सवालात का जवाब दे सके (या) जिसके साथ कोई ऐसा आदमी मौजूद हो जो कि ऐसे सवालात का जवाब दे सके) मुकदमें का जवाब देने के लिये जाहिर हो जावो और आपकी हाजरी के लिये मुकर्रर किया हुआ दिन मुकदमें के आखिरी फैसले के वास्ते रखा जाने की वजह से आपको उस तारीख को ऐसे सभी गवाहों और दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रखना होगा कि जिन पर आप अपने बचाव की पुष्टि के लिये भरोसा रखना चाहते हो।

आपको ताकीद की जाती है कि यदि आप तारीख मजकूर पर हाजिर न होवोगे तो आपके गैर हाजिरी में मुकदमें की सुनवाई होकर उसका फैसला किया जावेगा।

आज तारीख 06 माह 10 सन् 2025 को अदालत की मुहर से जारी किया गया।

श्रीमती कामिनी जायसवाल
तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी
दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

जामुल में जमीन हस्तांतरण के लिए राजस्व मंत्री से मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

नगर पालिका जामुल के नपा अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने निजी रोड रास्ते को नगर पालिका प्रशासन के आधिपत्य में करने राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा को ज्ञापन सौंपा।

नपा अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने बताया कि जामुल के वार्ड क्र. 4, 5, 10, 13, 14, 16, 17, 18 एवं 20 में भवन अनुज्ञा निकाय द्वारा दिया गया है। शासन के नियमानुसार सभी प्रकार के करों का निर्धारण भी किया गया है। जिसके कारण वहां के रहवासी मूलभूत सुविधा की मांग कर रहे हैं किन्तु सड़क नाली के लिए छोड़ी गई जमीन वर्तमान में मूल भू स्वामी के नाम पर होने के कारण उक्त वार्डों में विकास कार्य संपादित नहीं हो पा रहा है। यदि सड़क नाली व अन्य प्रयोजन के लिए आरक्षित भूमि को नगर पालिका जामुल को हस्तांतरित किया जाता है। तो वहां के निवासियों को मूलभूत सुविधा तो मिलेगा ही साथ में अनेकों विकास कार्य होंगे। अतः जामुल नगर पालिका भूमि खसरा नंबर 358, 384, 385, 386, 387, 389, 390, 394, 395, 396, 397, 490, 494, 495, 497, 516, 517, 521, 505, 524 नंबर भूमि को जामुल को आधिपत्य प्रदान करें, जिससे आम जनता को सरकार के मंशा अनुरूप मूलभूत सुविधा मिल सके।

■ जामुल पालिका के अध्यक्ष ठाकुर ने की मुलाकात

स्वामी आत्मानंद की जयंती पर अर्पित किए श्रद्धासुमन

स्वामी आत्मानंद के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭पाटन

मानवता, सेवा और त्याग के प्रतीक रामकृष्ण आश्रम के संस्थापक स्वामी आत्मानंद की जयंती पर नगर पंचायत पाटन की ओर से श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई।

नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने आत्मानंद चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर अध्यक्ष भाले ने कहा कि स्वामी आत्मानंद का जीवन समाज सेवा, करुणा और आध्यात्मिक उत्थान का प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने अपने जीवन से यह संदेश दिया कि सच्ची सेवा निःस्वार्थ भाव से की जाती है। स्वामी के आदर्श आज भी समाज को सही दिशा देने वाले हैं और उनके मार्ग पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष निशा सोनी, सभापति केवल देवांगन, पार्षद जितेंद्र निर्मलकर, चंद्रप्रकाश देवांगन, अन्नपूर्णा पटेल, संगीता पटेल, भागवत वर्मा, मिलन देवांगन, योगेश सोनी, रोहित देवांगन, नारायण पटेल सागर सोनी लोकेश पटेल, अरुण देवांगन, विजयकांत बंछोर, आदित्य सावर्णी, किरण बंछोर सहित मुख्य नगर पालिका अधिकारी और नगर पंचायत का पूरा अमला उपस्थित रहा कार्यक्रम के अंत में सभी ने स्वामी आत्मानंद के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

HEALTH TOWN

आयुर्वेदिक कैंसर क्लिनिक

Dr. Hrituraj Taank
B.A.M.S.
Nadi Parikshak By
Sri Sri Tattva
Bengaluru

सभी तरह के कैंसर का बिना साइड इफेक्ट के आवुर्वेद एवं पंचकर्म द्वारा संपुर्ण ईलाज

पता: चरक हैल्थ क्लिनिक, दुबे कालोनी, मोवा, रायपुर (छ.ग.), 9926644448, 9630053692

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

रनथॉन में बच्चों और बुजुर्गों के साथ मंत्री गजेंद्र और विधायक देवेंद्र ने लगाई दौड़

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

यंग इंडियन्स दुर्ग चेप्टर के आयोजन में केबिनेट मंत्री, विधायक, कलेक्टर एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने लिया हिस्सा

यंग इंडियन्स दुर्ग चेप्टर के रनथॉन में 10 साल से लेकर 70 साल तक के 1000 से अधिक धावकों ने दौड़ लगाकर स्वस्थ जीवन शैली का संदेश दिया। प्रतिभागियों को विभिन्न श्रेणियों में एक लाख तक के पुरस्कार का वितरण भी किया गया। दौड़ में मंत्री गजेंद्र यादव, विधायक देवेंद्र यादव प्रमुख रूप से शामिल हुए।

प्रतियोगिता में यंग इंडियन दुर्ग चेप्टर के अध्यक्ष गौरव अग्रवाल, को-चेयर अभिषेक सुराना और पास्ट चेयर साकेत रुँगटा द्वारा फ्लैग ऑफ की गई। दौड़ का फ्लैग ऑफ कलेक्टर अभिजीत सिंह ने किया। प्रतियोगिता में दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव, रायपुर, अंबिकापुर, बालोद और रायगढ़ से प्रतिभागी उत्साह के साथ शामिल हुए। जिससे यह आयोजन पूरे छत्तीसगढ़ का फिटनेस महोत्सव बन गया।

अभिषेक सुराना ने बताया कि दुर्ग समाज के हर क्षेत्र में प्रभावी सामाजिक पहलों के लिए समर्पित है। साकेत रुँगटा ने बताया कि रनथॉन को सरकारी विभागों और अनेक सामाजिक संगठनों से मिले सहयोग ने आयोजन को प्रभावशाली बना दिया। पियूष ने बताया कि अत्याधुनिक टाइमिंग चिप तकनीक से सटीक परिणाम सुनिश्चित किए गए और 1,00,000 से अधिक के पुरस्कार राशि विभिन्न श्रेणियों में वितरित किए गए।

गौरव एवी ने साझा किया कि रनथॉन के माध्यम से अपने सभी वर्टिकल्स को एकीकृत किया, जिससे वर्ष भर किए गए कार्यों का प्रदर्शन किया गया। गौरव पारख, योगेश, हर्षिता ने भी अपने विचार रखे। रनथॉन 2025 की सफलता को टाइटल स्पॉन्सर्स भवभूमि, मेघ गंगा ग्रुप, प्रतीक टाइल्स, एल्युमिनियम, पद्मावती फोर्स मोटर्स और अनंत्या ग्रीन्स के सहयोग ने और भव्य बनाया। इसके अलावा अग्रवाल समाज दुर्ग, भिलाई, रोटरी क्लब जैसे सामाजिक संगठनों का आयोजन में बढ़-चढ़कर सहयोग मिला।

खबर संक्षेप

बिजली कंपनी के दफ्तर से मॉनीटर, सीपीयू और यूपीएस उड़ा ले गया चोर

भिलाई। भिलाई नगर थाना अंतर्गत 32 बंगला स्थित बिजली कंपनी के दफ्तर में ही चोरी हो गई। अज्ञात चोर खिड़की में लगे कूलर को हटाकर दफ्तर के अंदर घुसा। इसके बाद घटना को अंजाम दिया। घटना 4 अक्टूबर के दोपहर करीब ढाई बजे से 6 अक्टूबर की सुबह साढ़े 10 बजे के बीच की है। मामले में सहायक अभियंता मनीष चंद्रवंशी ने शिकायत की। उन्होंने बताया कि दफ्तर के अंदर से 5 नग मॉनीटर, 8 नग सीपीयू, 6 यूपीएस, 1 नग प्रिंटर, 1 नद इंडक्शन सहित अन्य सामान गायब है। कम्प्यूटर सिस्टम में 15 साल पुराना रिकार्ड था। पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि चोर खिड़की के रास्ते दफ्तर में घुसा। बड़े ही इतमिनान से घटना को अंजाम दिया।

मस्क की कंपनी के सॉफ्टवेयर इंजीनियर के घर से लेपटॉप चोरी

भिलाई। भट्टी थाना अंतर्गत सेक्टर-1 निवासी टाटा फनिद्रा पिता टीवी नागेश्वर राव के घर से लैपटॉप चोरी हो गया। सूचना पर पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि टाटा फनिद्रा सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। एपी मोलार मस्क की कंपनी में काम करते हैं। सोमवार की दोपहर वह काम कर रहा था। इसके बाद नहाने चला गया। घर पर उनकी मां सो रही थी। इस बीच अज्ञात ने लेपटॉप पर हाथ साफ कर दिया।

4 साल पहले बनकर हुआ था तैयार, तकनीकी खामियों के चलते लंबे समय तक बंद रहा आवागमन

खुर्सीपार चौक से सेक्टर-3 तक बने फ्लाई ओवर पर भारी वाहनों की आवाजाही शुरू, सीधे पहुंचेंगे बोरिया गेट

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

सर्विस लेन पर अब भी गड्ढे, मेंटेनेस नहीं होने से लोगों को आवागमन में हो रही परेशानी

बीएसपी के बोरिया गेट तक बाहर से आने वाले भारी वाहनों के लिए एक बार फिर खुर्सीपार चौक से सीईजेड चौक सेक्टर-3 तक फ्लाई ओवर पर आवागमन शुरू हो गया है। तकनीकी खामियों के कारण लंबे समय तक इस फ्लाई ओवर में वाहनों की आवाजाही बंद रही।

चार साल पहले तत्कालीन डायरेक्टर इंचार्ज अनिर्बान दासगुप्ता ने इस ब्रिज को लोकार्पण किया था। इसके बाद कुछ दिनों तक आवाजाही के बाद इसमें तकनीकी खामियां सामने आई। इसके बाद इस ब्रिज को बंद कर दिया गया। लंबे समय तक बंद रहने के बाद इसका मेंटेनेंस कराया गया। मेंटेनेंस पूरा होने के बाद इस फ्लाई ओवर में आवाजाही शुरू कर दी गई। इससे बाहर से आने वाले भारी वाहन अब सीधे फ्लाई ओवर के रास्ते बोरिया गेट पहुंच सकेंगे। साथ ही इसी मार्ग से लौट सकेंगे। उन्हें टाउनशिप से होकर गुजरने की जरुरत नहीं होगी। वे खुर्सीपार से सेक्टर-1, सेक्टर-3, भट्टी थाने के सामने से होकर सीधे बोरिया गेट तक पहुंच सकेंगे। इस फ्लाईओवर के शुरू होने से खुर्सीपार से बोरिया गेट के बीच रास्ता काफी आसान हो गया है। ब्रिज के शुरू होने से आम लोगों आने जाने में काफी आसानी होगी। जाम से भी मुक्ति मिलेगी। लंबे समय से इस ब्रिज के शुरू होने का लोगों को इंतजार था। इसे लेकर लगातार यूनियनों द्वारा मांग भी की जा रही थी। इसके बाद बीएसपी ने मेंटेनेंस कराया और इसे शुरू कराया।

फ्लाई ओवर 685 मी. से ज्यादा लंबा, चौड़ाई 12 मी.

जानकारी के मुताबिक सीईजेड चौक के ऊपर बने फ्लाई ओवर की लंबाई 685 मीटर तथा चौड़ाई 12 मीटर है। इस फ्लाई ओवर को बोरिया गेट और खुर्सीपार से जोड़ने के लिए 3 किलोमीटर लंबी तथा 14 मीटर चौड़ी एप्रोच रोड के साथ जोड़ते हुए बनाया गया है। इसके दोनों ओर एक किलोमीटर लंबी स्लिप रोड का निर्माण किया गया है। इसके साथ ही फ्लाई ओवर तथा एप्रोच रोड में लाइटिंग की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा बोरिया गेट के पास पार्किंग के इंतजाम किए गए हैं, ताकि भारी वाहनों की वजह से शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या न हो। लंबे समय तक ब्रिज बंद पड़ा रहा, जिसे अब शुरू किया गया।

ब्रिज के समानांतर बनी सर्विस लेन में अब भी गड्ढे

बता दें कि ब्रिज के समानांतरण एक सर्विस लेन है, जिससे अब तक वाहनों की आवाजाही हो रही थी। इसके अलावा दो पहिया वाहन और चार पहिया वाहनों की आवाजाही हो रही थी। इस मार्ग पर अब भी गड्ढे बने हुए हैं। बता दें कि पिछले दिनों बीएसपी ने शहर की अधिकांश शहरों का मेंटेनेंस भी कराया। बावजूद इसके कई जगहों पर अब भी गड्ढे वाली सड़क है, जिससे लोगों को खासी परेशानी हो रही है। यूनियनों ने पिछले दिनों मांग की थी, कि सारी सड़कों का मेंटेनेंस कराया जाए, ताकि लोगों को आवाजाही में किसी प्रकार की परेशानी न हो। गड्ढों की वजह से हर दिन लोग परेशान हो रहे है।

हाईवे पर नाली बनाने के दौरान सुरक्षा ताक पर

नेशनल हाईवे पर कोसानाला के पास नाली निर्माण किया जा रहा है। इस दौरान सुरक्षा संकेत नहीं लगाए गए हैं, जो हादसों का सबब बन रहे है। रात के समय अंधेरा होने की वजह से आए दिन बाइक सवार दुर्घटना का शिकार हो रहे है। बता दें कि कोसानाला के इस क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण, डिवाइडर का निर्माण और नाले पर नया पुलिया बनाया जा रहा है। इस वजह से जगह-जगह सड़क किनारे मलबा डंप है। पूरी तरह से सुरक्षा की अनदेखी हो रही है। 24 घंटे वाहनों की आवाजाही के बाद भी अब तक इसे गंभीरता से नहीं लिया गया है। पिछले दिनों एक युवक सर्विस लेन से गुजरते समय हादसे का शिकार हुआ। उसे गंभीर चोटे आई। एम्बुलेंस तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां उसका इलाज अब भी जारी है। हादसे की ऐसी घटनाएं लगातार हो रही है।

बीएसपी में सेल दर्पण कॉन्क्लेव शुरू

पांच दिवसीय कार्यशाला में कार्यबल व मनोबल पर दिए टिप्स

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन विभाग द्वारा सेल की विभिन्न इकाईयों के सभी मुख्य महाप्रबंधकों के लिए "सेल दर्पण कॉन्क्लेव पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। उद्घाटन बीएसपी के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने भिलाई निवास में किया। कार्यपालक निदेशक एस. मुखोपाध्याय, एके चक्रवर्ती,प्रवीण निगम, पवन कुमार, विपिन गिरी, राकेश कुमार, अरुण कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनीता द्विवेदी, सीजीएम संदीप माथुर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी व बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) के सदस्य उपस्थित थे।

बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के वरुण केजरीवाल द्वारा सेल दर्पण कार्यशाला से संबंधित प्रस्तुति दी गई। इस प्रस्तुति में "सेल दर्पण के पांच रणनीतिक उद्देश्यों पर प्रकाश डाला गया, जिनमें कार्यबल उत्पादकता में वृद्धि, सतत संगठनात्मक संरचना सुनिश्चित करना, कर्मचारी मनोबल एवं सहभागिता को सुदृढ़ करना, प्रदर्शन आधारित सहयोगी संस्कृति को स्थापित करना तथा सतत सुधार व्यवस्था का निर्माण शामिल हैं। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों के लिए संरचित सत्र आयोजित किए जाएंगे। श्री महापात्र ने कहा कि सेल दर्पण पहल संगठन को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने और टीम भावना को और मजबूत करने तथा कार्य कुशलता वृद्धि का एक सशक्त माध्यम बनेगा। हमें इस दिशा में निरंतर प्रयास करते रहना होगा । पवन कुमार ने कहा कि "सेल दर्पण न केवल संगठनात्मक प्रक्रियाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह कर्मचारियों में बेहतर प्रदर्शन और सहभागिता की भावना को भी प्रोत्साहित करेगा। प्रबंधक अवंती वुचुला व धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक जेएन ठाकुर ने किया।

जंजगिरी रोड पर अज्ञात वाहन ने 9 मवेशियों को कुचला, मौके पर ही मौत

भिलाई। कुम्हारी थाना अंतर्गत जंजगिरी मोड़ पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से 9 मवेशियों की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मामले में अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मामले को लेकर पुनेश साहू ने थाने में शिकायत की थी। उन्होंने पुलिस को बताया कि पुनेश जंजगिरी के रहने वाला है। सिविल ठेकेदारी का काम है। सुबह करीब 6 बजे रोज की तरह टहलने उरला मोड़ की ओर गया था। वापस आते समय एनएच 53 रायपुर से दुर्ग रोड राजू ढाबा के आगे रेलवे नर्सरी के पास जंजगिरी रोड में 9 मवेशी एक्सीडेंट से मृत्यु होकर पड़े हुए थे। उसने यह भी जानकारी दी कि वाहन सीजी 04 क्यूई 8988 के चालक ने मवेशियो को एक्सीडेंट किया है। हादसे के बाद उन्होंने घटना की जानकारी सबसे पहले पार्षद लोकेश साहू और राजू साहू को दी। बहरहाल पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर लिया है। आरोपी वाहन चालक की तलाश की जा रही है।

विश्राम गृह के पास मवेशियों से टकराई बाइक, पीछे बैठे युवक की मौत, केस दर्ज

भिलाई। नंदिनी थाना अंतर्गत विश्राम गृह अहिवारा में सड़क पर बैठे मवेशियों से बाइक टकरा गई। हादसे में बाइक के पीछे बैठे मंगलू राम पिता फगुवा राम उम्र 39 साल निवासी बागडूमर की मौत हो गई। बाइक उसका साथी राम अवतार यादव चला रहा था। पुलिस ने बताया कि मंगलू राम 18 सितंबर को ग्राम बागडूमर निवासी अपने दोस्त रामअवतार यादव के साथ बाइक सीजी 07 सीके 3466 में पीछे बैठकर अहिवारा की तरफ जा रहा था। रात करीब साढ़े 8 बजे घटना स्थल पर मवेशी को ठोकर मारकर एक्सीडेंट कर दिया। रामअवतार यादव व मृतक मंगलू राम को गंभीर चोट आई। शंकराचार्य अस्पताल जुनवानी में उन्हें भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान मंगलू राम की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है।

महीनों जारी नहीं हो रहा मानदेय, विरोध में उतरी महिलाएं, रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

दुर्ग में बारिश के बीच सक्रिय महिलाओं का एक दिवसीय धरना संपन्न हुआ। धरने के बाद बारिश में भीगते हुए कलेक्टर ऑफिस तक

- एनआरएलएम से जुड़ी महिलाओं ने निकाली रैली

रैली निकाली गई। मुख्यमंत्री, पंचायत मंत्री, मुख्य सचिव, पंचायत सचिव, बिहान संचालक को कलेक्टर के माध्यम ज्ञापन सौंपा गया। इसके बाद जनपद अध्यक्ष तुलेश्वरी साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे से मिलकर अपनी समस्याएं रखी गई एवं चर्चा के पश्चात ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में मानदेय बढ़ाने, न्यूनतम वेतन अधिनियम लागू करने, कई वर्षों से कार्यरत सक्रिय महिलाओं को जबरदस्ती कार्य से हटाने पर रोक लगाने, लखपति दीदी का ऑनलाइन कार्य का पैसा जल्द जारी करने, सभी कैडरों को मोबाइल में नेट खर्च, दैनिक भत्ता व यात्रा भत्ता दिए जाने, मानदेय प्रतिमाह देने, नियमितिकरण किए जाने की मांग की गई।

प्रांताध्यक्ष पदमा पाटिल ने कहा कि यह बहुत दुख की बात है कि कई वर्षों से कार्यरत सक्रिय महिलाओं को जबरदस्ती कार्य से हटाया जा रहा है। पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र में सक्रिय महिलाओं को 6 हजार रुपए प्रतिमाह दिया जाता है, जिसमें केंद्र व राज्य से तीन तीन हजार दिया जाता है। तो फिर छत्तीसगढ़ में क्यों नहीं दिया जाता है। प्रांतीय सलाहकार विश्वजीत हारोडे ने कहा कि शासन सक्रिय महिलाओं का शोषण कर रही है। सरकार एक तरफ नारी शक्ति की बात करती है लेकिन दूसरी ओर इतने कम मानदेय में काम कराया जाता है कि उससे अधिक शासन के कार्य में खर्च हो जाता है। सुरेखा बंजारे ने कहा कि हमारे निजी मोबाइल में ऑनलाइन काम कराया जाता है। 1910 मानदेय में हम 15000रु के मोबाइल में 350 रुपए का नेट चार्ज खर्च कर कैसे काम करें। सबरजीत सिंह ने कहा कि लगातार ट्रेनिंग मीटिंग आदि के लिए कई बार जनपद या क्लस्टर आना जाना पड़ता है जिसका कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाता। जेवरा की हेमकुमारी डहरिया ने लखपति दीदी का ऑफलाइन व ऑनलाइन कार्य की प्रोत्साहन राशि शासन के द्वारा निर्धारित होने के बावजूद अधिकतर जिलों में सक्रिय महिलाओं को नहीं दी गई है।

सेल ने स्वदेशी स्टील से आईएनएस आन्द्रोत को दी मजबूती, समुद्री आत्मनिर्भरता को मिली नई शक्ति

भिलाई। सेल ने आईएनएस आन्द्रोत के लिए विशेष ग्रेड स्टील की पूरी जरूरत की आपूर्ति की है। इसे आज भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। यह भारत की नौसेना के आधुनिकीकरण की दिशा में बड़ी उपलब्धि है। आईएनएस आन्द्रोत, एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट (एएसडब्ल्यू- एसडब्ल्यूसी) श्रृंखला का दूसरा युद्धपोत है। इस श्रृंखला का पहला शैलो वॉटर क्राफ्ट आईएनएस अर्नाला था, जिसे 18 जून 2025 को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था।सेल ने उल्लेखनीय योगदान देते हुए, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड द्वारा निर्मित आठ एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट युद्धपोतों - जिसमें आईएनएस अर्नाला और आईएनएस आन्द्रोत शामिल हैं - के लिए आवश्यक सम्पूर्ण विशेष ग्रेड स्टील, जिसमें एचआर शीट्स और प्लेट्स शामिल हैं, की आपूर्ति की है। इस विशेष ग्रेड इस्पात की आपूर्ति सेल के बोकारो, भिलाई और राउरकेला इस्पात संयंत्रों से की गई है।

एआईसीसी से भेजे गए पर्यवेक्षक अजय लल्लू ने ली कार्यकर्ताओं की बैठक

अध्यक्ष पद के लिए ब्लॉक पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से रायशुमारी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई / दुर्ग

जिले में कांग्रेस के तीन जिला संगठनों के अध्यक्षों का निर्वाचन होना है। इसे लेकर केंद्रीय पर्यवेक्षण अजय कुमार लल्लू पिछले तीन दिनों से दुर्ग में डेरा जमाए हुए हैं। वे लगातार कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं। सोमवार को उन्होंने राजीव भवन दुर्ग में संगठन सृजन अभियान के तहत ब्लॉक स्तरीय बैठक ली। बैठक में सहायक पर्यवेक्षक पूर्व मंत्री डोंडीलोहारा की विधायक अनिला भेड़िया, पूर्व विधायक यूडी मिंज ने मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी से चर्चा की। अध्यक्ष पद के लिए रायशुमारी की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग नाम बताए। दुर्ग के लिए पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल का नाम प्रमुखता से रखा गया। उनके द्वारा कराए गए कार्यों और पार्टी की गतिविधियों को लेकर पर्यवेक्षक को अवगत कराया गया। इधर भिलाई जिला संगठन के लिए एक दिन पहले चर्चा हुई, जिसमें 39 लोगों ने अध्यक्ष बनने के लिए दावेदारी पेश की। बहरहाल पर्यवेक्षक का चर्चा का दौर जारी है। पर्यवेक्षक ने बताया कि पार्टी हाईकमान के निर्देशानुसार कांग्रेस पार्टी में लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराया जाने का जो निर्णय लिया गया है, उसका पालन करते हुए कार्यकर्ता की राय के अनुसार कार्यकर्ताओं के बीच से ही अध्यक्ष बनाया जाएगा। इसे लेकर ही चर्चा की जा रही है।

बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने रखे विचार

बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अध्यक्ष का चुनाव होना चाहिए। इसमें सभी की राय आवश्यक है। बैठक में पूर्व विधायक अरुण वोरा, पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल, आरएन वर्मा, दीपक दुबे, अयूब खान, अध्यक्ष गया पटेल, प्रेमलता साहू, कोशल किशोर सिंह, परमजीत भुई, अलताफ अहमद, आयुष शर्मा, एनएसयूआई दुर्ग के अध्यक्ष वरुण केवलतानी, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष कन्या ढीमर, पार्षद अश्वनी निषाद, पूर्व पार्षद नजहत परवीन, भोला महोबिया सहित अन्य उपस्थित थे।

भिलाई अध्यक्ष के लिए भी शुरू हुई माथापच्ची

भिलाई। भिलाई अध्यक्ष के लिए भी माथापच्ची शुरू हो गई है। बैठक में भिलाई जिला कांग्रेस कमेटी के नया अध्यक्ष का चयन किया जाने कांग्रेस के नीतियों की जानकारी देने के साथ चयन प्रकिया शुरू की गई। विक्रम मांडवी ने बैठक में उपस्थित हुए कांग्रेसजनों से अनुरोध किया कि भिलाई जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद पर अपनी दावेदारी करनी है, वे अपने आवेदन जमा कर सकते हैं। बैठक में आधे घंटे में लगभग 39 कांग्रेस नेताओं ने अध्यक्ष पद के दावेदार के रूप में चयन करने आवेदन फार्म भरा है। अजय कुमार लल्लू ने कहा कि कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष एवं सांसद राहुल गांधी जी ने कांग्रेस पार्टी में लोकतांत्रिक रूप से संगठन का चुनाव प्रारंभ किया है। देश में भ्रष्टाचार को लेकर अपनी लड़ाई जारी रखा है। देश की चुनाव व्यवस्था को लेकर बड़ा खुलासा किया है। वर्तमान भाजपा की केंद्र सरकार वोट चोरी से बना है। इसको लेकर वे लगातार लोगों को जानकारी दे रहे हैं। इस दौरान पूर्व राज्यमंत्री बीडी कुरैशी, पूर्व विधायक प्रतिमा चंद्राकर, अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, रिसाली निगम महापौर शशिकला सिन्हा, सभापति केशव बंछोर, गिरवर बंटी साहू सहित अन्य मौजूद थे।

हरिभूमि

रायपुर, मंगलवार 7 अक्टूबर 2025

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

7747020002, Message at - 9755819129

02

रूंगटा डेंटल कॉलेज ने आईआईटी भिलाई के साथ किया समझौता

लाइव इवेंट

हज पर जाने वालों को बताए इबादत के सही तौर-तरीके

भिलाई। मुबारक हज के सफर पर जाने वालों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन ताज सामाजिक भवन फरीद नगर में किया गया। इस दौरान उलेमा ने हज के फर्ज, वाजिबात, सुन्नत और नफील रूकन को कुरान-हदीस की रोशनी बताया, जिससे लोग सही तरीके से हज अदा करें। अलग-अलग प्रशिक्षण सत्रों में नागपुर के मुफ्ती मौलाना नशिद ने बताया कि साहिबे हैसियत पर पूरी जिंदगी में एक बार हज करना फर्ज है। सही तौर तरीके सीख कर हज करने से बड़ा फायदा होगा क्योंकि लोगों को वहां किन जगहों पर क्या करना है और उसकी अदायगी का तरीका प्यारे नबी हज़रत मुहम्मद सल्लाहुअलैहिसल्लम ने क्या बताया है, उसकी जानकारी होनी चाहिए।

- फरीद नगर में हुए प्रशिक्षण सत्र में शामिल हुए अगले साल हज पर जाने वाले खुशकिस्मत

हज देखकर नहीं बल्कि सीखकर करना चाहिए जिससे फर्ज सही तरीके से अदा हो। मास्टर मुहम्मद रउफ ने पैगम्बर हजरत के रोज़े पर हाजिरी सलाम और दरूद पेश करने, शहर मदीना में अदब और एहतेराम के साथ नमाज अदा करने व चलने पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मस्जिद नबी में एक नमाज़ का सवाब 50 हजार नमाज़ के पढ़ने के बराबर है वहीं बैतुल्लाह मक्का मुकर्रमा में एक नमाज़ का सवाब एक लाख नमाज़ पढ़ने के बराबर है। इस दौरान उलेमा और इंजीनियर मोहम्मद शाहिद ने हज पर जाने वालों से कहा कि इंसानियत का दर्द हमारे सीने में हो, हज़रत मुहम्मद सल्लालाहु अलैहि वसल्लम इंसानियत के रहबर ओर खैरख्वाह है उनकी तालीम को अपनाकर हर एक के लिए भलाई और एहसान की राह अपनाएं। आलिमों ने यहां हज पर जाने वालों लोगों को हज की नियत, एहराम बांधने का तरीका व समय, तवाफ करना, हज से पहले उमरा करने के जरूरी मसाइल और वहां पर किए जाने वाले अरकान के अदा करने का तरीका बताया।

इस दौरान हाजी मीर हामिद अली ,नसीर कुरैशी, हाफिज मतीन, मोबिन, प्यारे, सैय्यद असलम, जैद, हारून अंसारी , सैय्यद रिजवान, छोटे साहब, वसीम, निजामुद्दीन, बंगाली दादा और अदनान सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सिटी इवेंट

संत शिरोमणि, आचार्य विद्यासागर और समय सागर का अवतरण महोत्सव आज

भिलाई। दिगम्बर जैन मंदिर परिसर नेहरू नगर में सोमवार को शरद पूर्णिमा के अवसर पर संत शिरोमणी आचार्य विद्यासागर महाराज और आचार्य समय सागर महाराज का अवतरण महोत्सव आर्यिका अक्षयमति और निर्मद मति माताजी के सानिध्य में मनाया जायेगा। गुरू गरिमा दिवस के त्रय विधान महोत्सव के दूसरे दिन ऋृध्दिधारी मुनिराज की आराधना करते हुए श्री चोसठ ऋद्धि मंडल विधान हुआ। सुबह माता के मुखारविंद से मंगल शान्तिधारा अनिल ऊषा जैन और महावीर अर्चना पाटनी परिवार को प्राप्त हुआ। भिलाई नगर गौरव मुनि 108 प्रणेय सागर महाराज की दीक्षा दिवस मनाया गया। साथ ही आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के तैलचित्र का अनावरण और दीप प्रज्वलित कर अर्घ्य समर्पित किया गया। विधान के दूसरे दिन सोधर्म इन्द्र बनकर अनिल ऊषा जैन, ईशान, श्वेता भारत गोधा, सानत, विजय सरला जैन, महेन्द्र, जिनेन्द्र, सीमा चौधरी, कुबेर, रूचि आर के सिंघई परिवार को अर्घ्य समर्पित का अवसर प्राप्त हुआ।

आर्यका अक्षयमति माता विधान के साथ चौसठ ऋद्धि और उन्हे धारण करने वाले महामुनी राजो के एश्वर्य शक्ति महिमा के संदर्भ में बताते हुए आचार्य विद्यासागर महाराज के दीक्षा दिवस पर प्रकाश डाला। सभी ने आचार्य विद्यासागर महाराज के प्रति अपनी वियान जलि अर्पित की।विधानाचार्य पंडित नमन ने पुरे विधि-विधान से सोमवार को धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न कराया। शरद पूर्णिमा के अवसर पर पहली बार 36 मंडलीय विधान होगा। संयोजक जिनेन्द्र जैन, क्षितिज उपाध्यक्ष, रमेश नाहर, सौरभ जैन, आनंद जैन, गौरव जैन, नागेन्द्र, मोहन, सचिन जैनम, अध्यक्ष मनित जैन, अंगूरी जैन, चेलना, सुनिता जैन ने धर्म लाभ प्राप्त किया।

● कालीबाड़ी में हुई शरद पूर्णिमा पर विशेष पूजा, ब्रज मंडल में हुआ रंगारंग कार्यक्रम

बंगाली समाज ने श्रद्धा से की लक्खी पूजा, अल्पना से सजे घर आंगन, माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने की विशेष पूजा अर्चना

भिलाई। सो मां लोक्खी, बोसो मां लोक्खी, थाको मां लक्खी आमार घोरे के पाठ के साथ बंग समुदाय की लक्खी पूजा सोमवार को सभी बंगाली घरों में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। पूजा को लेकर बंग समुदाय की महिलाओं ने सुबह से ही स्नान करके पूजा की तैयारी में जुट गई थी। महिलाएं पूजा को लेकर सुबह से ही उपवास रखी हुई थी। घर के सदस्यों ने अपने-अपने घरों में आकर्षक अल्पना (गीले चावल आटे से रंगोली) से बनाकर सजाया था। पंडित ने बताया कि दुर्गा पूजा के बाद पूर्णिमा के दिन सभी बंगाली समुदाय के घर पर लक्खी पूजा का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर सभी कालीबाड़ी मंदिरों में शाम को माता का विशेष श्रृंगार कर मंदिर को भी रंग बिरंगी जगमग लाईट से दुल्हन की तरह सजाया गया था। इस दिन लोग घरों में पूजा कर कालीबाड़ी मंदिर सेक्टर 6 व वैशाली नगर सहित सभी लोग दूर दराज से पहुंचकर कालीबाड़ी में प्रसाद स्वरुप भोग ग्रहण किया।

अल्पना से सजा घर-द्वार

धन-धान्य की देवी मां लक्ष्मी की आराधना के साथ लक्खी पूजा धूमधाम से मनाई गई। बंग समाज में इस पूजा को लेकर खासा उत्साह देखा गया। सुबह से ही बंगाली समाज की महिलाएं पूजा-पाठ की तैयारी व अल्पना बनाने में व्यस्त दिखी। बंगीय परिवारों में लोक्खी पूजा यानी लक्ष्मी पूजा को लेकर दीपावली सा उत्सवी माहौल रहा।

कालीबाड़ी में हुई विशेष पूजा

बंगाली महिलाओं घर के दरवाजे पर धान की नई फसल को कलश में रख उसको बहू का रूप मान पूजा-अर्चना करती हैं, क्योंकि बहू को ही घर की लक्ष्मी माना जाता है। इसमें सिंदूर, कौड़ी और अन्य सामग्री रखी जाती है। सेक्टर 6, वैशाली नगर, हाउसिंग बोर्ड, नेहरु नगर, राधिका नगर सहित सभी कालीबाड़ी मंदिर में रात आठ बजे मां लक्खी की विधिवत पूजा की गई। देवी को नारियल की मिठाई, बताशा, खिचड़ी व पूड़ी का भोग लगाया गया।

चांद के नीचे रखी खीर, अमृत वर्षा से बना औषधि

पूर्णिमा तिथि सोमवार की दोपहर 12 बजकर 24 मिनट से प्रारंभ होकर मंगलवार सुबह 9 बजकर 18 मिनट तक रहेगी। सोमवार को चंद्रोदय शाम 5 बजकर 27 मिनट पर हुआ। लेकिन चंद्रोदय के बाद भी चांद की रोशनी में खीर रखने का इंतजार करना पड़ा, क्योंकि चंद्रोदय के बाद से लेकर रात 10 बजकर 53 मिनट भद्रा व्याप्त थी। जिसके चलते लोगो ने अपने घरों पर सोमवार को रात 10.55 के बाद 12 बजकर 9 मिनट तक पूर्णिमा तिथि की पूजा कर खीर का प्रसाद बनाकर चांद की रौशनी पर रखा। मान्यतानुसार शरद पूर्णिमा पर चांद से होने वाले अमृत वर्षा के लिए चांद की किरणों के नीचे खीर का प्रसाद रखा और सुबह औषधीय युक्त खीर का प्रसाद ग्रहण कर सभी को वितरित जायेगा। ब्रजमंडल सहित सभी मंदिरों में शरद पूर्णिमा उत्सव श्रद्धा व भक्ति के साथ मनाया गया।

फल, मिठाई और खीर का लगता है भोग

इस संबंध में वैशाली नगर कालीबाड़ी के बिमनदास ने बताया कि लक्खी पूजा बंग समाज का महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन लगभग सभी बंगाली घरों में यह पूजा विशेष रूप से होती है। जिसमें माता को फल, मीठा व खीर का प्रसाद चढ़ाया जाता है। कई लोग इस दिन धनतेरस की तरह अपने घर के लिए नई वस्तुएं खरीदते हैं। वहीं कई लोगो ने कोजागरी पूजा भी पूरे उल्लास के साथ मनाया। लोगों ने अपने घरों में मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना पान-मखान-खीर व मिठाई की भोग लगा कर की। खास कर जिसके यहां लड़के की नई-नई शादी हुई है उनके यहां नए वर का स्वागत कर सभी के बीच पान-मखान व खीर प्रसाद के रूप में बांटा गया। पौराणिक मान्यता के अनुसार शरद पूर्णिमा के दिन चन्द्रमा की किरणों से अमृत की वर्षा होती है। उसी के फलस्वरूप खीर का प्रसाद बनाकर चन्द्रमा के किरणों के नीचे रखा जाता है। उसके बाद भगवान का भोग लगाकर वितरण किया जाता है। शरद पूर्णिमा का धार्मिक एवं वैज्ञानिक महत्व भी है।

शिक्षक समाज की आत्मा, देते हैं नई पीढ़ी में संस्कार और अनुशासन

दुर्ग। केंद्रीय विद्यालय प्रगतिशील शिक्षक संघ के प्रतिनिधि मंडल ने सोमवार को दुर्ग नगर निगम की महापौर अलका बाघमार से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर संघ के सचिव डॉ. अजय आर्य, वरिष्ठ शिक्षक डीके पटले और एमके भारद्वाज ने महापौर बाघमार को स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया।

- प्रगतिशील शिक्षक संघ ने दुर्ग महापौर से की मुलाकात

बैठक में केंद्रीय विद्यालयों की शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रतिनिधि मंडल ने नगर निगम और विद्यालयों के बीच स्वच्छता, हरित पर्यावरण, साक्षरता एवं जनजागरण अभियानों में पारस्परिक सहयोग की संभावनाओं पर विचार साझा किए। डॉ. अजय आर्य ने महापौर को केंद्रीय विद्यालयों में संचालित नवाचारात्मक कार्यक्रमों, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों, तथा शिक्षा क्षेत्र में किए जाने वाले सामाजिक कार्यों की जानकारी दी। साथ ही उन्हें केंद्रीय विद्यालय के दौरे के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान महापौर अलका बाघमार ने कहा कि शिक्षक समाज की आत्मा हैं, उनके मार्गदर्शन से ही नई पीढ़ी में संस्कार, अनुशासन और ज्ञान का संचार संभव होता है। उन्होंने नगर निगम की योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए विद्यालय परिवार से सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की और केंद्रीय विद्यालयों की शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक उपलब्धियों की सराहना की।

तीन महीने से चल रहे वर्षावास का आज समापन, होगा पूजा वंदना और परित्राणाय पाठ

भिलाई। भारतीय बौद्ध महासभा भिलाई पं क्र 1119 के तत्वावधान में डॉ आम्बेडकर सांस्कृतिक भवन सेक्टर 6 भिलाई में अश्विन पूर्णिमा 7 अक्टूबर को वर्षावास समापन दिवस समारोह का आयोजन भंते शील रत्न और भंते सुमेध श्रीलंका के सानिध्य में किया जाएगा। जिसमें सभा की अध्यक्ष सविता मेश्राम अध्यक्षता करेंगी है। वर्षावास पिछले तीन महीने यानी 10 जुलाई से चल रहा है। इस अवसर पर मंगलवार की सुबह साढ़े 9 बजे वर्षावास समापन में भंते द्वारा द्वीप प्रजल्वित, पूजा वंदना, परित्राणाय पाठ किया जाएगा और उनके द्वारा धम्म देशना दी जिएगी। महासभा के सदस्यों ने संस्था के समस्त पदाधिकारियों, कार्यकारी सदस्यों, सामान्य सदस्यों, दुर्ग- भिलाई की विभिन्न समितियों के सदस्यों और गणमान्य नागरिकों से इस वर्षावास समापन समारोह में उपस्थित होने अपील की है। उक्त जानकारी संस्था के महासचिव रामराव ढोक ने दी।

देश राग महोत्सव में अन्य प्रदेशों से भी पहुंचे कलाकार दे रहे प्रस्तुति

चित्रकला, वाद्य, नृत्य और संगीत की रंगारंग प्रस्तुतियों ने मोहा मन 350 प्रतिभागी हुए पुरस्कृत, बारिश में भी उत्साह नहीं हुआ कम

कार्नर न्यूज

भिलाई। नृत्यधाम कला समिति द्वारा एसनजी विद्या भवन सेक्टर-4 में जारी नृत्य, संगीत, वाद्य, चित्रकला और चित्रकारी प्रतियोगिता के तीसरे दिन सोमवार को बच्चों ने अपनी नयनाभिराम प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। मंच पर भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, मोहिनी अट्टम, तबला वादन और गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। लगातार हो रही बारिश में भी आसपास सहित छत्तीसगढ़ के अन्य प्रदेशों से बच्चें पहुंचकर अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे है।

साढ़े तीन सौ बच्चे हो चुके सम्मानित

नृत्य गुरु डॉ. राखी रॉय ने बताया कि प्रतियोगिता में अब तक करीब 400 बच्चों ने हिस्सा लिया है। हर दिन विजेता प्रतिभागियों को मोमेंटो और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया जा रहा है। अब तक लगभग 350 प्रतिभागियों को सम्मानित किया जा चुका है। मौसम खराब के बावजूद बड़ी संख्या में बच्चे प्रस्तुति देने छत्तीसगढ़ सहित दूसरे प्रदेशों से पहुंच रहे है।

प्रतिभा का प्रदर्शन करने मिला अवार्ड

सोमवार को सब-जूनियर कैटेगरी फ्री स्टाइल में देवांश, शौर्याश्री भरतनाट्यम, रियानशी दीक्षित लाइट म्यूजिक, आर्या दुबे सेमी क्लासिकल, जूनियर में दिशा सिंह ठाकुर कथक, श्रुति काशिपुरी सेमी क्लासिकल, नित्या चौकसे कथक और सीनियर ग्रुप में श्री शेगांवकर तबला में विजेता रहे। श्री शेगांवकर का चयन जया पद्मा सम्मान के लिए किया गया है। अब तक कुल सात प्रतिभागियों का चयन इस सम्मान के लिए हो चुका है। सोमवार को आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में अतिशय जैन, श्रेया बंसल, नव्या जैन, अद्या यादव, रजनी श्रत्रिय सहित विकास क्रियेशन के अन्य बच्चों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। देश राग का यह उत्सव 12 अक्टूबर तक चलेगा। जिसमें बच्चें अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

सिटी इवेंट

यजमानों के गोधन और वंश वृद्धि के लिए की गई कामना

भिलाई। भारत की विशिष्ट सांकृतिक विरासत में सामाजिक एवं सांस्कृतिक व्यवस्था के अंतर्गत अलग-अलग जाति-समुदाय के लोगों को कार्यों के मध्य जोड़कर रखने की अनूठी परंपरा रही है, जो आज भी किसी ने किसी रुप में स्थापित और अपनी महत्ता बनाए रखी हुई।

जनजाति शोधार्थी व लोक संस्कृति कर्मी राम कुमार वर्मा ने भाट परंपराओं का अध्ययन करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ के सभी जाति समुदाय के अपने भाट होते हैं, जो अपने यजमानों के ग्रामों में आकर उनकी वंशावली गोत्र, जाति, उनके पुरखों की विशेषताएं बात कर उनसे दान भेंट आदि प्राप्त करते हैं और उनके सुख-दुख के साथी बनते हैं। वे अपने यजमानों के सुख-समृद्धि, धन-धान्य, गोधन, वंश वृद्धि की कामनाएं करते हैं।लोक संस्कृति कर्मी राम कुमार वर्मा के संयोजन में दाऊ रामचंद्र देशमुख सांस्कृतिक समिति भिलाई दुर्ग द्वारा भाटों के प्रतिनिधि लोक वाद्य शारदा वादन सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें लोधी समुदाय के भाट समल चंद्र ठाकरे दसरथटोला, नेत लाल खंडाहे, गोविंद राव गुरबेले, चेतन राव गुरुबेले, गणेश राव गुरबेले, हरिश्चंद्र राव गुरबेले, गोकुल राव गुरुबेले, रामेलाल गुरुबेले, विजय लाल गुरुबेले पनगांव और उदयलाल राव खन्डाहे भन्सुला ने अपनी सहभिगिता दी। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे महाराष्ट्र के जिला गोंदिया विकास खंड सालेकसा के ग्राम पानगांव, बाम्हनी, पठानटोला, दसरथटोला, भन्सुला आदि से लोधी समुदाय के मध्य यजमानी करने के लिए छतीसगढ़ आने वाले भाटों के पास एक विशिष्ट लोक वाद्य रहता है जिसे वे 'शारदा' या 'सुरांगी' कहते हैं। इसमें स्वयं माता सरस्वती विराजित होती है। जिसे बड़े पवित्र भाव से बजाते और अपने यजमानों के मध्य सुना कर मनुष्य देह की नश्वरता के संबंध में गायन करते हैं और उनसे दान-भेंट प्राप्त करते हैं। उनके द्वारा कायासार के भजन के साथ ही राजा हरिश्चंद्र, भरथरी, मोरध्वज, भक्त पहलाद, श्रवण कुमार के भजन के साथ ही संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास, कबीर दास, परमानंद ब्रम्हानंद, सूरदास,मीरा बाई के भजन, जस गीत, छत्तीसगढ़ी लोकगीत का गायन वादन करते हैं।

धर्म लाइव

रूंगटा डेंटल कॉलेज ने आईआईटी भिलाई के साथ किया समझौता

भिलाई। रूंगटा डेंटल कॉलेज ने शैक्षणिक और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए इंडियन इस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी भिलाई के साथ एक समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। डेंटल कॉलेज के डीन डॉ. कार्तिक कृष्ण एम और आईआईटी भिलाई के इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन के सीईओ प्रशांत माथुर ने दोनों संस्थानों के सीनियर फैकल्टी मेंम्बर और प्रशासकों की उपस्थिति में इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी का उद्देश्य पारस्परिक हित के क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा देना है, जिससे सहयोगी पहलों के माध्यम से इंनोवेशन और उद्यमिता को बढ़ावा मिले। इस अवसर पर डॉ. कार्तिक कृष्ण ने कहा कि यह समझौता ज्ञापन हमारे शैक्षणिक और इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आईआईटी भिलाई के साथ सहयोग करने से हमारे छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए अनुभव और इन्टडिसीप्रिनरी के नए अवसर खुलेंगे। आईआईटी भिलाई के चीप टेक्नोलॉजी ऑफिसर विष्णु वैभव द्वीवेदी ने कहा कि रुंगटा कालेज के साथ यह सहयोग अत्याधुनिक शोध समाधान विकसित करने और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रतिभाओं को निखारने में योगदान देगा। रूंगटा डेंटल कॉलेज के अध्यक्ष संजय रूंगटा ने अपनी डेंटल टीम को बधाई दी और उन्हें इस अवसर का उपयोग प्रभावशाली शोध, तकनीकी विकास और बेहतर शिक्षण अवसरों के लिए करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे संस्थान और समाज दोनों को व्यापक लाभ होगा।

भिलाई चेम्बर का सार्थक प्रयास, त्योहार में बाजारों में हो समुचित व्यवस्था

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज भिलाई इकाई की सक्रियता से बाजारों में त्योहारी सीजन पर प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था व स्ट्रीट लाइट सारी व्यवस्था पूर्ण हो जायेगी। इन सारी व्यवस्थाओ् के लिए भिलाई चेम्बर का एक दल प्रदेश महामंत्री अजय भसीन के नेतृत्व में कलेक्टर अभिजीत सिंह से मिला। आवेदन के माध्यम से भिलाई चेम्बर ने मांग की कि भिलाई की सभी बजारों में प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त हो और पार्किंग स्थल पर भी प्रकाश व्यवस्था की जाए, ताकि बाजार में आने वाले ग्राहकों को परेशानी न हो। अजय भसीन ने बताया कि त्योहारी सीजन को देखते हुए कलेक्टर से निवेदन किया कि नगर निगम के माध्यम से बाजारों को रोशन करवाएं। त्योहारी सीजन में नगर निगम के अधिकारी पसरा लगाने वालों को मार्किंग कर सुनिश्चित जगह दें ताकि रोड ,रास्ते ब्लॉक न हो। कलेक्टर ने चेम्बर के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि भिलाई चेम्बर की यह सक्रियता ग्राहकों व दुकानदारों के लिए लाभदायक होगी। इस मौके पर अखराज ओस्तवाल,पवन जिंदल, सुमन कनोजे, दिलीप केशरवानी, चिन्ना राव, प्रेम रतन गहलोत, सुनील मिश्रा, अखिलेश सिंह उपस्थित थे।

● मुमुक्षु आगम ने अपने जन्मदिन पर मां-पिता से उपहार स्वरूप मांगी थी दीक्षा की अनुमति

15 साल के बालक आगम ने धर्म, संयम और तप का मार्ग अपनाया, 13 को राजस्थान में लेंगे जैन दीक्षा

दुर्ग। दुर्ग निवासी 15 वर्ष के बालक आगम सुराना 13 अक्टूबर को राजस्थान में भगवती दीक्षा लेंगे। दीक्षा पूर्व वरघोड़ा और अभिनंदन समारोह का आयोजन महेश कॉलोनी के राधा-कृष्ण मंदिर प्रांगण में किया गया। दुर्ग के इतिहास में जैन समाज में पहली बार इतनी अल्पायु में किसी परिवार का बालक जैन भागवती दीक्षा लेने जा रहा है। जिसकी सभी जगह चर्चा हो रही है। महेश कॉलोनी पुलगांव का राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण लोगों की आंखों में भाव के आंसुओं से भीगा रहा। एक परिवार को अपने महज 15 वर्ष के पुत्र को धर्म, संयम और तप के मार्ग पर विदा करते हुए देखना उनके लिए किसी परीक्षा से कम नहीं था। महेश कॉलोनी में हुए समारोह में मुमुक्षु आगम समेत उनके पिता जयजी सुराना, माता शीतल सुराना, बहनें विदुषी और यशस्वी समेत परिवार के लोगों ने इस भाव यात्रा को नाटक के माध्यम से प्रस्तुत किया।

जन्मदिन पर मांगा था उपहार

मुमुक्षु आगम ने बताया कि साल 2022 में दुर्ग में हर्षिम मुनि आदि ठाणा 2 के चातुर्मास के दौरान मेरी धर्म, ध्यान के प्रति रुचि बढ़ी। मैं शिवपारा के भवन में बीते कुछ वर्षों से विराजमान साध्वी हेमप्रभा मसा से नियमित भेंट कर धर्म चर्चा करता। साल 2023 में परिवार के साथ से राजस्थान की यात्रा के दौरान आचार्य रामलाल मसा के शिविर में भी शामिल हुआ। तब दादी से अनुमति ली। उसके बाद से मन में वैराग्य का भाव और प्रबल हो गया। फिर ब्यावर में हुए 10 दीक्षा समारोह में शामिल हुआ तो मेरा मन पक्का हो गया। साल 2024 में माता-पिता को बताया, तो उन्होंने मुझे प्रेमवश आज्ञा नहीं दी। लगातार उन्हें मनाने का प्रयास किया। 6 मई 2025 को अपने जन्मदिन पर माता-पिता से उपहार में मुनि दीक्षा की अनुमति मांगी, तब उन्होंने आज्ञा दे दी। एक माह पूर्व 1 सितंबर को आचार्य रामलाल जी मसा से भी दीक्षा की अनुमति मिल गई।

दीक्षा 13 अक्टूबर को

इसमें मुमुक्षु आगम का वैराग्य का भाव जागने से लेकर माता-पिता और गुरुदेव की आज्ञा मिलने तक का वृतांत जीवंत बताया गया। उनकी जैन भागवती दीक्षा जैनाचार्य श्रीश्री 1008 रामलालजी मसा और उपाध्याय प्रवर राजेश मुनिजी मसा के मुखारविंद से राजस्थान के दशनोक में 13 अक्टूबर को होगी।

समाज के लोगों ने पुष्प वर्षा कर वरघोड़ा का किया अभिनंदन

श्री साधुमार्गी जैन संघ दुर्ग द्वारा दीक्षा पूर्व वरघोड़ा (शोभायात्रा) और अभिनंदन समारोह के आयोजन में रविवार की सुबह मुमुक्षु आगम सुराना के घर से शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें माता-पिता, बहनों समेत उन्होंने शहरवासियों से भेंट की। लोगों ने जगह-जगह फूल बरसाकर मुमुक्षु का अभिनंदन किया। दीक्षा महोत्सव के कार्यक्रम से जैन समाज में उत्साह व हर्ष का माहौल है। श्री साधुमार्गी जैन संघ, महिला एवं बहु मंडल, समता युवा संघ आदि ने इसमें सहयोग दिया। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र गांधी, समता महिला समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष चंचल प्रकाश सांखला, प्रदीप बोथरा, श्री साधुमार्गी जैन संघ दुर्ग के अध्यक्ष ओमप्रकाश सांखला, महामंत्री ज्ञानचंद पारख, कोषाध्यक्ष अजय कांकरिया,उपाध्यक्ष प्रकाश सांखला, धर्मपाल बोथरा,सहमंत्री रमेश छाजेड़,गौतम बांठिया सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

छात्राएं वित्त मंत्री से हुईं सम्मानित

महेंद्र ऋषि का मना जन्मोत्सव, महिलाओं और बालिकाओं के लिए आज धर्म जागरण

- जन्म महोत्सव के दौरान तप साधना की श्रावक श्राविकाओं ने मनाया उत्सव

दुर्ग। जैन धर्म गुरु एवं श्रमण संघ के युवाचार्य महेंद्र ऋषि महाराज का 59 वां जन्म महोत्सव जय आनंद मधुकर रतन भवन बांधा तालाब में साध्वी प्रियदर्शना के सानिध्य में मनाया गया। देश के विभिन्न क्षेत्रों में युवाचार्य भगवंत का जन्म महोत्सव आयंबिल एकासना की तप साधना श्रावक, श्राविकाओं ने मनाया।

साध्वी प्रिय दर्शना के सामने अनेक लोगों ने अपने भाव रखे। उनसे अपना आशीर्वाद और स्नेह रखने की प्रार्थना की। युवाचार्य भगवान के जन्म महोत्सव पर तप साधिका किरण संचेती ने 47 उपवास के तपस्या की भेंट चढ़ाई। युवाचार्य भगवंत के दुर्ग चातुर्मास में बड़े तपस्या आपके द्वारा की गई थी।

चातुर्मास में विराजमान साध्वी समुदाय द्वारा धार्मिक तत्व ज्ञान शिविर में धर्म की बारिकियों का ज्ञान कराते हुए धर्म के मर्म को समझाया जाएगा। साध्वी विचक्षणा श्रीजी, साध्वी सुकृति श्रीजी, साध्वी सुप्रज्ञपति श्रीजी इस शिविर में ज्ञान अर्जन कराएंगे।

शरद पूर्णिमा पर 7 अक्टूबर को रात्रि धर्म जागरण महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए आयोजित किया जाएगा। इसमें 3 से 15 सामायिक साधना की अपील की गई है। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक श्रमण संघ परिवार के अध्यक्ष धर्मचंद लोढ़ा, मंत्री राकेश संचेती ने जैन समाज के लोगों से उपस्थित भाग लेने की अपील की है।

नए प्रोजेक्ट में छात्राएं सम्मानित

कचरा किसी वस्तु का अंत नहीं नई संभावनाओं की शुरुआत

भिलाई। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल और कालिंगा यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एनवायराथॉन 2025 में रूंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी की एमएससी बायोटेक्नोलॉजी की छात्रा रख्शांदा और अनुष्का चक्रवर्ती ने अपनी प्रस्तुति से द्वितीय स्थान प्राप्त किया। यह कार्यक्रम विश्व ओजोन दिवस 2025 को समर्पित एक महत्वपूर्ण आयोजन था। इसका मुख्य विषय वेस्ट टू वेल्थ था, जिसका उद्देश्य अपशिष्ट प्रबंधन की जिम्मेदार आदतों को बढ़ावा देना और नवाचार के माध्यम से कचरे को संसाधन में बदलने के उपाय तलाशना था। जिसमें कचरा किसी वस्तु का अंत नहीं, बल्कि नई संभावनाओं की शुरुआत है बताया गया।

रूंगटा यूनिवर्सिटी की छात्राओं ने अपने प्रोजेक्ट में चावल की भूसी को खाद्य उत्पाद विकास के लिए वैकल्पिक प्रोटीन क्रांति के रूप में उपयोग करने का तरीका बताया। जिसमें कृषि अपशिष्ट को उच्च पोषणयुक्त प्रोटीन में बदलकर खाद्य सुरक्षा और लगातार कृषि को बढ़ावा देने की अभिनव योजना दी गई। इस उपलब्धि में डॉ. विजयलक्ष्मी घोष और डॉ. नीमा एस. बालन मार्गदर्शन रहा। इन्होंने छात्राओं को समस्या का समाधान खोजने और समाज के लिए उपयोगी नवाचार करने प्रेरित किया। दोनों छात्राओं को कुलाधिपति संतोष रूंगटा और कुलपति डॉ. जवाहर सूरीशेट्टी ने बधाई दी।

प्रोजेक्ट में मिला दूसरा स्थान 18 हजार का नकद पुरस्कार दिया गया

इस प्रोजेक्ट के लिए उन्हें प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ और 18 हजार का नगद पुरस्कार दिया गया। यह पुरस्कार छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी. चौधरी द्वारा भेंट किया गया। उन्होंने छात्राओं के प्रयास को सतत कृषि और वेस्ट टू वेल्थ मॉडल की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल बताया। एनवायराथॉन ने यह संदेश दिया कि कचरा किसी वस्तु का अंत नहीं, बल्कि नई संभावनाओं की शुरुआत है। इस आयोजन ने युवाओं को पर्यावरण-अनुकूल समाधान खोजने की प्रेरणा दी और यह दिखाया कि किस प्रकार शिक्षा, नवाचार और मार्गदर्शन मिलकर एक हरित एवं स्वच्छ भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

फैजाने जीलानी क्विज़ और ड्राइंग-पेंटिंग प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

क्विज में पूछे दीन से जुड़े रोचक सवाल, बच्चों ने कैनवास पर रंग भरे, कामयाबी हासिल करने दी सीख

कार्नर न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट की ओर से ग्यारहवीं शरीफ के मुबारक मौके पर फैजाने जीलानी क्विज़ और ड्राइंग-पेंटिंग प्रतियोगिता जामा मस्जिद सेक्टर-6 के मुस्लिम कम्युनिटी हॉल में रखी गई। इसमें दुर्ग-भिलाई के बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। क्विज में दीनी मालूमात के सवाल रोचक ढंग से पूछे गए। वहीं ड्राइंग पेंटिंग में बच्चों ने खाना ए काबा, मदीना शरीफ, दरगाह, मस्जिदों और दूसरी इस्लामिक महत्व की इमारतों को कैनवास पर उतारा।ट्रस्ट के सदर एम आसिम बेग ने कहा कि आयोजन का मकसद, समाज के बच्चों की प्रतिभा को निखारना एवं उनकी झिझक को दूर करना है जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ सके। उन्होंने बताया कि क्विज में 90 और ड्राइंग-पेंटिंग में 82 बच्चों ने भाग लिया।क्विज प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि अशरफी मस्जिद जोन 3 के इमाम मुफ्ती जामी क़मर अजहरी ने आयोजन की तारीफ करते हुए बच्चों से दीनी सवालात पूछे और उन्हें अपना मार्गदर्शन भी दिया। ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट के साबिक सदर और रिटायर प्रिंसिपल जमील अहमद ने मुख्य निर्णायक की भूमिका अदा करते हुए विजेताओं के नाम की घोषणा की।

कामयाबी के लिए अधिक मेहनत करने दी बच्चों को सीख

क्विज के विशेष अतिथि फरीदिया मस्जिद फरीद नगर के इमाम हाफिज अमीर सालिम उल कादरी भी क्विज में निर्णायक रहे। उन्होंने बच्चों से दीन से जुड़े कई सवाल रोचक ढंग से पूछे। विशेष अतिथि बैतुलमाल कमेटी भिलाई के अध्यक्ष हमीदुल्लाह सिद्दीकी ड्राइंग प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में रहे। सदारत कर रहे जामा मस्जिद सेक्टर-6 के इमाम मौलाना इकबाल अंजुम अशरफी ने बच्चों की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि सभी ने बहुत ही सराहनीय प्रदर्शन किया और जो बच्चे किन्हीं वजहों से आज विजेता का इनाम ले जाने से चूक गए, वो बिल्कुल भी मायूस न हों, अल्लाह पर भरोसा रखें फिर से अगले पड़ाव की तैयारी करें, वे जरूर कामयाब होंगे। इस प्रोग्राम के डायरेक्टर अब्दुल हफीज की मेहनत से प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

क्विज में अहमद तो ड्राइंग-पेंटिंग में अयान रहे अव्वल

क्विज प्रतियोगिता में प्रथम सैयद अहमद उल्लाह,द्वितीय मुहम्मद शोएब और तृतीय अनम फातिमा रहे। क्विज के सभी विजेताओं को ट्रॉफी, सर्टिफिकेट एवं नगद राशि पुरस्कार पुरस्कार स्वरूप प्रथम 2100, द्वितीय 1500, तृतीय को 1100 रुपए दिए गए। इसी तरह ड्राइंग-पेंटिंग में प्रथम अयान अहमद,द्वितीय इनाया फातिमा और तृतीय नबील अहमद रहे। ड्राइंग प्रतियोगिता के सभी विजेता बच्चों को ट्रॉफी , सर्टिफिकेट के साथ नगद राशि पुरस्कार के रूप में दी गई , जिसमें प्रथम को 1500 , द्वितीय को 1000 एवं तृतीय स्थान पाने वाले को 700 रुपए दिए गए।आयोजन को कामयाब बनाने में भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट के सेक्रेटरी सैयद हुसैन, सैयद आतिफ अली, अलीम सिद्दीकी, तहूर पवार, शमीम अहमद, जमील कुरैशी, नसीम खान, शमशेर खान,ज़फ़र जावेद,मुहम्मद जमीर, जिया अहमद, फतेह मुहम्मद, असदुद्दीन हैदर और वहीद खान के अलावा सहयोगी के रूप में मुहम्मद ज़फ़र, शेख एकेडमी के शेख सर, मोहिद खान, युवा वॉलेंटियर्स की टीम में शेख साहिल, आतिफ हुसैन, अमजद अली, सैयद हसन, नावेद खान, फ़ैजान हसन,मुहम्मद सरफराज, शादाब अहमद, सोहेल अमीर और अरबाज खान आदि की प्रमुख भूमिका रही।

ज्योतिष

100 साल बाद दिवाली पर शनि बनाएंगे शक्तिशाली धन राजयोग

इस साल दिवाली का पर्व 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा। वहीं इस दिन शनि देव अन्य ग्रहों पर दृष्टि डालकर धन राजयोग बनाने जा रहे हैं। ऐसे में कुछ राशियों के अच्छे दिन शुरू हो सकते हैं। साथ ही इन राशियों को करियर और कारोबार में तरक्की मिल सकती है। आइए जानते हैं ये किन राशि के लोग हैं

वृष राशि : आप लोगों के लिए धनराजयोग बनना लाभप्रद सिद्ध हो सकता है। क्योंकि शनि देव आपकी राशि से भाग्य और कर्म के स्वामी होकर लाभ होकर लाभ भाव पर स्थित हैं। वहीं इस दौरान आपकी आय जबरदस्त में वृद्धि हो सकती है। साथ ही नौकरी करने वाले लोगों के पदोन्नति मिल सकती है। वहीं नौकरी कर रहे जातकों को किसी प्रभावशाली व्यक्ति का साथ मिलेगा। वहीं इस समय आपको शेयर बाजार, लॉटरी में लाभ हो सकता है।

मकर राशि : शनि देव आपकी राशि से तीसरे स्थान पर संचरण कर रहे हैं। इसलिए इस दौरान आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। साथ ही इस समय आपको काम- कारोबार में तरक्की मिल सकती है। साथ ही आत्मविश्वास के साथ किए गए कार्यों से आपको अच्छा धन लाभ मिल सकता है। इस अवधि में आप अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर लेंगे। साथ ही आपके प्रभाव में भी वृद्धि होगी।

मिथुन राशि : शनि देव आपकी राशि से कर्म के स्थान पर संचरण कर रहे हैं। इसलिए इस समय आपको काम- कारोबार में अच्छे सक्सेस मिल सकती है। वहीं इस समय बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है। साथ ही व्यापारियों को अच्छा लनलाभ हो सकता है। व्यापारी वर्ग के लोगों को भी अच्छा लाभ मिलेगा। साथ ही नौकरीपेशा लोगों के लिए भी शनि का का धनराजयोग बनाना करियर में नई संभावनाएं लेकर आने वाला है।

घर में सुख-शांति चाहते हैं तो इन 3 मूर्तियों को पूजा घर में न रखें

घर का पूजा स्थल यानी मंदिर, इसे वास्तु में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। मंदिर किस दिशा में होना चाहिए, पूजा करने वाले का मुंह किस ओर होना चाहिए और वहां कौन-सी मूर्तियां रखनी चाहिए, इन सब बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। वास्तु शास्त्र कहता है कि घर के मंदिर में कुछ मूर्तियों को रखने से बचना चाहिए। माना जाता है कि ऐसी मूर्तियों को घर में रखने से वास्तु दोष लग सकता है और नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

मृत परिजनों की तस्वीर न रखें मंदिर में : वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के मंदिर में कभी भी मृत परिजनों की तस्वीर या मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। मृत परिजनों की पूजा केवल पितृ पक्ष में ही करनी चाहिए। रोजाना उनकी पूजा करने से परिवार में बाधाएं और मानसिक तनाव बढ़ सकता है। साथ ही मंदिर में मृत परिजन के साथ किसी साधु-संत की भी तस्वीर या मूर्ति नहीं रखनी चाहिए।

इन देवी-देवताओं की मूर्ति न रखें : घर के पूजा स्थल में काली मां, राहु-केतु और शनि देव की मूर्तियां नहीं रखनी चाहिए। दरअसल ये देवता उग्र माने जाते हैं और इनकी पूजा विशेष विधि-विधान के साथ करनी पड़ती है। अगर इन्हें गलत तरीके से पूजा की जाए तो जीवन में संकट और परेशानियां आ सकती हैं। इसलिए घर के मंदिर में हमेशा शांत और सौम्य स्वरूप वाली मूर्तियां ही रखनी चाहिए।

नाचते हुए गणेश जी की मूर्ति न रखें : वास्तु शास्त्र में मंदिर में कभी भी नाचते हुए गणेश जी की मूर्ति या प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। हमेशा गणेश जी की बैठी हुई और आशीर्वाद देती मूर्ति ही शुभ मानी जाती है। ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि और सौभाग्य बढ़ता है।

मां लक्ष्मी की मूर्ति जरूर रखें : घर के मंदिर में मां लक्ष्मी की मूर्ति अवश्य रखनी चाहिए। मां लक्ष्मी को धन और समृद्धि की देवी माना जाता है। जहां मां लक्ष्मी का वास होता है, वहां कभी दरिद्रता नहीं आती। इस बात का ध्यान रखें कि मां लक्ष्मी की मूर्ति हमेशा बैठी हुई अवस्था में होनी चाहिए, खड़ी हुई नहीं। साथ ही अगर आप मंदिर में भगवान विष्णु की मूर्ति भी साथ रखते हैं, तो यह बेहद शुभ माना जाता है। इससे घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

भोजन का ठीक तरह से न पचना या ज्यादा मसालेदार भोजन करना शामिल हो सकता है

सुबह-सुबह आपका भी फूल जाता है पेट तो इन पेय से करें दिन की शुरुआत, कम होगी सूजन

सुबह के वक्त कुछ लोगों का पेट फूल जाता है, जिसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। इनमें गैस बनना, भोजन का ठीक तरह से न पचना या ज्यादा मसालेदार भोजन करना शामिल हो सकता है। अगर आपको भी रोजाना सुबह यह समस्या होती है तो खाली पेट इन 4 पेय का सेवन करें। इन्हें डाइट का हिस्सा बनाने से गैस नहीं बनेगी, पेट अच्छी तरह साफ हो जाएगा और पेट की सूजन भी कम हो जाएगी।

नींबू और अदरक का डिटॉक्स पेय

नींबू और अदरक से बनने वाला डिटॉक्स पेय पेट की सूजन को झट से कम कर सकता है। अदरक में सूजन कम करने वाले गुण होते हैं और यह पाचन को बेहतर बनाती है। वहीं, नींबू भोजन को तोड़ने में मदद करता है और Lपेट को फायदा पहुंचाता है। इस पेय को बनाने के लिए एक गिलास गर्म पानी में ताजा नींबू का रस डालें और घिसी हुई अदरक मिलाएं। आप चाहें तो इसमें एक चम्मच शहद मिला सकते हैं।

सौंफ की चाय

स्वास्थ्य विशेषज्ञ पेट की सूजन घटाने के लिए सौंफ की चाय पीने की सलाह देते हैं। यह एक प्रकार की हर्बल चाय होती है, जिसमें केवल 2 ही सामग्री का इस्तेमाल होता है। इसे बनाने के लिए पानी गर्म करें और उसमें सौंफ डालकर उबलने दें। इसके बाद इसे छानकर खाली पेट पिएं। सौंफ में वायुनाशक और सूजनरोधी गुण मौजूद होते हैं, जिसकी मदद से पेट की सूजन कम हो जाती है और गैस से छुटकारा मिलता है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी उन लोगों के खान-पान का हिस्सा रहती है, जो वजन घटाने की कोशिश कर रहे होते हैं। हालांकि, इसे पीने से सूजन कम करने में भी मदद मिल सकती है। इस चाय में एंटीऑक्सीडेंट और कैटेचिन मौजूद होते हैं, जो आंत के स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं और सूजन को कम करने में मदद करते हैं। ज्यादा फायदे पाने के लिए ग्रीन टी में शहद या चीनी न मिलाएं।

ब्लैक कॉफी

सुबह-सुबह खाली पेट ब्लैक कॉफी का सेवन करना भी सूजन कम करने का बढ़िया तरीका होता है। यह पेय पाचन स्वास्थ्य को दुरुस्त करके पेट को अच्छी तरह साफ कर देता है। इसमें पाए जाने वाले कैफीन में मूत्रवर्धक गुण होते हैं, जो मूत्र के उत्पादन को बढ़ा सकते हैं। इससे विषाक्त पदार्थों और तरल पदार्थ को शरीर से बाहर निकालने में मदद मिलती है, जो सूजन का कारण बनते हैं।

त्यौहारों पर जमकर होती है काजू की बिक्री, ऐसे करें असली-नकली की पहचान

काजू एक स्वादिष्ट और पौष्टिक मेवा है, जो सेहत से जुड़े कई लाभ प्रदान कर सकता है। त्यौहारों के सीजन में काजू की बिक्री काफी बढ़ जाती है। हालांकि, बाजार में असली और नकली काजुओं की पहचान करना मुश्किल हो सकता है। नकली काजू असल में हानिकारक होते हैं और इनमें रसायन मिलाए जाते हैं, जो सेहत के लिए खतरा बन सकते हैं। हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप असली और नकली काजुओं की पहचान कर सकते हैं।

असली-नकली काजू में है रंग का भेद

काजू का रंग उसकी गुणवत्ता को दिखाता है। असली काजू हल्के भूरे रंग के होते हैं, जबकि नकली काजू अक्सर सफेद या चमकदार होते हैं। अगर काजू का रंग बहुत ही चमकदार है तो यह रसायन से बना हो सकता है, जो सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए खरीदने से पहले हमेशा काजू के रंग पर ध्यान दें और कोशिश करें कि हल्के भूरे रंग वाले काजू ही खरीदें।

खुशबू सूंघें

असली काजू में प्राकृतिक और हल्की खुशबू होती है, जबकि नकली काजू में अक्सर तेज और अप्राकृतिक सुगंध होती है। अगर आप काजू खरीदते समय उसकी खुशबू पर ध्यान देंगे तो आप आसानी से असली और नकली काजुओं में फर्क कर सकते हैं। नकली काजुओं में रसायन मिलाए जाते हैं, जो उनकी खुशबू को तेज बना देते हैं, जबकि असली काजू की खुशबू बहुत ही हल्की होती है।

आकार और बनावट देखें

असली काजू का आकार आमतौर पर एक जैसा होता है और वे आकार में बड़े होते हैं। नकली काजू का आकार अक्सर छोटा और असमान होता है। अगर आप हाथों में काजू लेकर देखेंगे तो आपको फर्क साफ नजर आएगा। असली काजू को देखकर ही पता चल जाएगा कि वे प्राकृतिक हैं या नहीं। नकली काजू में रसायन मिलाए जाते हैं, जो उन्हें आकार में छोटा और असमान बना देते हैं।

पानी से जांचें

पानी से जांचना एक सरल और प्रभावी तरीका है, जिससे आप नकली काजू की पहचान कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस एक गिलास पानी लेना होगा और उसमें काजू डालना होगा। अगर काजू पानी में तैरने लगे तो वह नकली है क्योंकि उसमें रसायन मिले होते हैं। असली काजू पानी में नहीं तैरते बल्कि डूब जाते हैं। इस तरीके से आप आसानी से असली और नकली काजुओं में फर्क कर सकते हैं।

कीमत पर गौर करें

असली काजू की कीमत आमतौर पर थोड़ी अधिक होती है क्योंकि इनमें गुणवत्ता बेहतर होती है और ये सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। अगर कोई काजू बहुत सस्ता मिल रहा हो तो उसमें मिलावट होने की संभावना अधिक होती है, जो आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकती है। इसलिए हमेशा सही मूल्य पर ध्यान दें और भरोसेमंद स्रोत से ही काजू खरीदें ताकि आप नकली काजू से बच सकें और अपने परिवार को सुरक्षित रख सकें।

एयर फ्रायर में बनाएं झटपट तैयार होने वाले मीठे व्यंजन, स्वाद में होंगे लाजवाब

खाने के बाद अगर कुछ मीठा मिल जाए तो दिल खुश हो जाता है। हालांकि, ज्यादातर मीठे व्यंजन ओवन में बनते हैं, जो हर किसी के पास नहीं होता। ऐसे में इसकी जगह पर एयर फ्रायर का इस्तेमाल करके भी कई मीठे पकवान बनाए जा सकते हैं। इसमें हवा के जरिए गर्मी पैदा करके भोजन को बिना तेल के तला जा सकता है।

चोको लावा केक : एयर फ्रायर में चोको लावा केक बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरे में मक्खन और चॉकलेट को पिघलाएं। इसमें दही, पिसी चीनी और वेनिला का अर्क डालें। इसके बाद इसमें मैदा, कोको पाउडर, बेकिंग पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब मक्खन लगे मफिन टिन में मिश्रण को डालें और बीच में चॉकलेट का टुकड़ा भी डाल दें। इसे एयर फ्रायर में 180 डिग्री सेल्सियस पर 8 मिनट के लिए पकाएं।

गुलाब जामुन: गुलाब जामुन को आम तौर पर तेल में तलकर तैयार किया जाता है। हालांकि, आप इस पकवान को एयर फ्रायर में भी तैयार कर सकते हैं। गुलाब जामुन बनाने के लिए सबसे पहले गुड़ को पानी में घोलकर चाशनी तैयार करें। इसके बाद मैदा, खोया और चीनी मिलाकर मुलायम आटा गूंध लें। इसके गोल-गोल लड्डू बनाएं और उन्हें एयर फ्रायर में तल जाने दें। इसके बाद इन्हें चाशनी में डालकर कुछ देर भीगने दें, फिर गर्म करके खाएं।

स्पेनिश-पुर्तगाली व्यंजन चुरोस : चुरो एक स्पेनिश और पुर्तगाली व्यंजन है, जिसे तलकर तैयार किया जाता है। हालांकि, यह मीठा पकवान एयर फ्रायर में भी तैयार किया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक पैन में पानी डालें और उसमें मक्खन और चीनी डालकर चाशनी बना लें। इसके बाद इसमें मैदा, वेनिला का अर्क और बेकिंग सोडा डालकर तब तक मिलाएं जब तक आटा गाढ़ा न हो जाए। इसे पाइपिंग बैग में डालकर चुरो बनाएं और उन्हें एयर फ्रायर में पका लें।

ब्रेड पुडिंग बनाना बेहद आसान : ब्रेड पुडिंग एक बेहद आसान रेसिपी है, जो मिनटों में बनकर तैयार हो जाती है। इसके लिए आपको केवल ब्रेड और दूध की जरूरत पड़ेगी। सबसे पहले एक कटोरे में दूध और चीनी डालकर अच्छी तरह मिला लें। चीनी के पिघलने के बाद इसमें ब्रेड के टुकड़े डाल दें।

करवा चौथ पर इन रंगों के कपड़े पहनना हो सकता है अशुभ

करवा चौथ का पर्व हर विवाहित महिला के लिए बेहद खास होता है। इस दिन सजना-संवरना और नए कपड़े पहनना परंपरा का हिस्सा है, लेकिन मान्यता है कि करवा चौथ पर कुछ रंग पहनने से बचना चाहिए। माना जाता है कि ये रंग शुभ फल नहीं देते और नेगेटिव असर डाल सकते हैं।

करवा चौथ के दिन न पहनें इन रंगों के कपड़े

काला रंग: करवा चौथ के दिन काले कपड़े पहनने से बचना चाहिए। यह रंग नकारात्मकता और दुख का प्रतीक माना जाता है। इस शुभ अवसर पर माहौल को सकारात्मक और खुशहाल रखने के लिए काले रंग से दूरी बनाना सही है।

भूरा रंग: भूरे रंग को अक्सर निराशा और उदासी से जोड़ा जाता है। करवा चौथ एक उत्सव और आनंद का दिन है, ऐसे में भूरा रंग इस मौके की भव्यता को कम कर सकता है। इसलिए इसे पहनने से बचना चाहिए।

ग्रे रंग: ग्रे यानी धूसर रंग को सुस्ती और नीरसता का प्रतीक माना जाता है। इस पर्व पर महिलाओं को उत्साहित और जीवंत दिखना चाहिए, इसलिए ग्रे रंग से परहेज करना शुभ माना गया है।

गहरा नीला रंग: इस रंग में गंभीरता और कभी-कभी नकारात्मकता झलकती है। करवा चौथ जैसे हर्षोल्लास वाले पर्व पर हल्के और चमकीले रंगों का चयन करना बेहतर होता है।

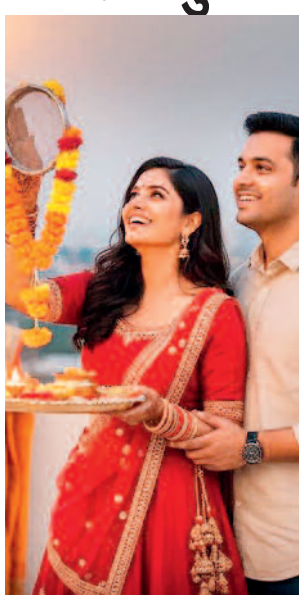

सफेद रंग: सफेद रंग को हमेशा शोक और दुख से जोड़ा जाता है। यही कारण है कि करवा चौथ जैसे मंगलमय दिन पर सफेद कपड़े पहनने से बचना चाहिए। इस दिन रंगीन और रौशन कपड़े पहनना अधिक शुभ माना गया है।

कार्नर न्यूज

ऊनी कपड़े साफ और खुशबूदार रहेंगे

सर्दियां शुरू होने से पहले ऐसे दूर करें ऊनी कपड़ों से आ रही बदबू और सीलन

सर्दियां शुरू होने से पहले लोग अलमारियों में रखे ऊनी कपड़े निकाल लेते हैं। हालांकि, रखे-रखे उनसे बदबू आने लगती है। ऐसे में उन्हें पहनने का दिल नहीं करता है। यह गंध कई कारणों से आ सकती है, जैसे कि कपड़ों का गंदा होना या ठीक से न सूखना। आज के फैशन टिप्स में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपने ऊनी कपड़ों से आने वाली बदबू व सीलन को दूर कर सकते हैं।

कपड़ों को धोते समय इन चीजों का करें इस्तेमाल

ऊनी कपड़ों को धोते समय पानी के साथ थोड़ा सफेद सिरका मिलाएं। यह बदबू को दूर करने में मदद करेगा। सिरके के खट्टे गुण कपड़ों की गंदगी और बदबू को हटाते हैं। इसके अलावा आप नींबू के रस का भी उपयोग कर सकते हैं, क्योंकि उसमें भी खट्टे गुण होते हैं। यह न केवल बदबू को दूर करेगा, बल्कि कपड़ों को ताजा बनाए रखेगा। इन दोनों चीजों का उपयोग करने से आपके ऊनी कपड़े साफ और खुशबूदार रहेंगे।

धूप में सुखाएं

ऊनी कपड़ों को धोने के बाद उन्हें धूप में सुखाना बहुत जरूरी है। सूरज की किरणें कीटाणुओं को खत्म करने में मदद करती हैं और कपड़ों को ताजगी देती हैं। इसके अलावा धूप में सूखाने से कपड़ों में किसी भी तरह की नमी नहीं रहती, जो बदबू का कारण बन सकती है। इसलिए, हमेशा अपने ऊनी कपड़ों को धोने के बाद धूप में ही सुखाएं, ताकि वे पूरी तरह सूखें और उनसे गंध न आए।

बेकिंग सोडा भी आएगा काम

बेकिंग सोडा एक ऐसा पदार्थ है, जो बदबू को सोख सकता है। इसके लिए अपने ऊनी कपड़ों पर थोड़ा बेकिंग सोडा छिड़क दें और उसे कुछ घंटों के लिए छोड़ दें। इससे बदबू हट जाएगी और आपके कपड़े ताजगी से भरे रहेंगे। इन तरीकों को अपनाकर आप अपने ऊनी कपड़ों की बदबू को आसानी से दूर कर सकते हैं और उन्हें साफ-सुथरा रख सकते हैं। याद रखें कि साफ-सुथरे और खुशबूदार कपड़े आपको आत्मविश्वास देंगे।

सही तरीके से रखें

ऊनी कपड़ों को रखते समय ध्यान रखें कि वे पूरी तरह से सूखे हों। गीले या नम कपड़े बदबू का कारण बन सकते हैं। इसके लिए कपड़ों को अच्छे से सुखाएं और फिर उन्हें साफ सूती कपड़े में लपेटकर अलमारी में रखें। आप चाहें तो कपड़ों के बीच में साबुन के टुकड़े या खुशबूदार बैग भी रख सकते हैं, जो बदबू को दूर रखने में मदद करेंगे। साबुन की जगह आप नेफ्थलीन बॉल्स भी रख सकते हैं।

खुशबूदार स्प्रे का इस्तेमाल करें

अगर आपके ऊनी कपड़ों से बदबू आ रही है तो आप उन्हें पहनने से पहले उन पर खुशबूदार स्प्रे छिड़क सकते हैं। इससे न केवल बदबू दूर होगी, बल्कि कपड़ों को ताजगी भी मिलेगी। खुशबूदार स्प्रे की सुगंध कपड़ों को सुगंधित बनाए रखेगी। यह एक आसान और प्रभावी तरीका है, जिससे आप अपने ऊनी कपड़ों को पहनने लायक बना सकते हैं और दुर्गंध से बच सकते हैं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

पेरिस फैशन वीक में जेडन स्मिथ का अंदाज देख बरसे लोग

हॉलीवुड सुपरस्टार विल स्मिथ के 27 साल के बेटे जेडन स्मिथ विवादों में घिर गए हैं। सोशल मीडिया पर जेडन की खूब थू-थू हो रही है। यूजर्स यहां तक कह रहे हैं कि विल स्मिथ को अपने बेटे को थप्पड़ लगा देना चाहिए। असल में यह पूरा मामला, पेरिस फैशन वीक 2025 में जेडन के अजीब-ओ-गरीब लुक का है! उन्होंने अपना चेहरा लाल रंग से पेंट कर रखा था और उनका अंडरवियर भी दिख रहा था। जेडन को लेकर सोशल मीडिया पर यह बहस एक वायरल वीडियो के बाद शुरू हुई है। उनकी जमकर आलोचना हो रही है। यूजर्स को दिक्कत जेडन के लाल रंग के जूते, लाल बेल्ट और लाल टोपी के साथ लाल रंग के चेहरे से हुई है। एक यूजर ने लिखा है, 'ये क्या बकवास है, विल स्मिथ को बेटे को थप्पड़ लगाना चाहिए था!' एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'पिता इतने टैलेंटेड हैं और बेटा ऐसा है।' एक तीसरे यूजर ने तंज कसते हुए लिखा है, 'भाई, जैकी चैन के साथ फिल्में करने वाला ये इस हद तक गिर गया है।' कुछ लोगों ने तो यहां तक कह दिया कि ये आखिर करता क्या है? इसकी क्या उपलब्धि है, क्या ये बस यूं ही तस्वीरें खिंचवाता है? हालांकि, एक तरफ जहां सोशल मीडिया की जनता जेडन का 'लाल चेहरा' देख मुंह बिचका रही है, वह शायद यह नहीं जानती कि ऐसा करने के पीछे एक खास कारण है। जेडन का यह लुक दरअसल, फ्रेंच लग्जरी ब्रांड क्रिश्चियन लुबूटिन के रेड सोल सिंबल से जुड़ा है।

टॉलीवुड

कांतारा चैप्टर 1 आस्था और लोककथा का अद्भुत मिश्रण

साउथ इंडियन फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' की धूम हिंदी पट्टी में भी मची है। फिल्म को कई कलाकार सराहा चुके हैं। हाल ही में तमिलनाडु की राजनीति में सक्रिय नेता अन्नामलाई ने भी ऋषभ शेट्टी की फिल्म को सराहा है। फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' ने चार दिनों में ही 200 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म अपना बजट भी वसूल कर चुकी है। फिल्म को हर तरफ से तारीफ मिल रही है। सोमवार को पॉलिटिशियन अन्नामलाई ने भी एक ट्वीट करके फिल्म को सराहा है। अन्नामलाई अपने एक्स (ट्विटर) पोस्ट में लिखते हैं, 'फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' आस्था और लोककथाओं का एक अद्भुत मिश्रण है। ऋषभ शेट्टी ने निर्देशक और अभिनेता दोनों के तौर पर शानदार अभिनय किया है। उन्होंने तुलु नाडु की संस्कृति, पंजुरली देव और गुलिगा की पूजा और उनकी अभिव्यक्तियों को एक साथ पेश किया है।'वह ट्वीट में आगे लिखते हैं, 'फिल्म का हर फ्रेम अद्भुत है। एक सिविल सर्वेंट के तौर में अपनी सेवा के दौरान इन परंपराओं को देख चुका हूं। फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' आध्यात्मिक रूप से पुरानी यादों को ताजा करती है।'अनुपम खेर ने भी अपने परिवार के साथ फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' देखी। थिएटर से ही वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किया। साथ ही एक ट्वीट भी किया है। अनुपम अपने ट्वीट में लिखते हैं, ' ऋषभ अभी-अभी अपनी मां, भाई, हरमन और फाल्गुनी के साथ 'कांतारा चैप्टर 1' देखी। मैं निशब्द हूं।

भोजपुरी

जब पवन सिंह के घर पहुंचीं पत्नी ज्योति, फूट-फूटकर रोईं

हाल ही भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वो अपने पति और एक्टर पवन के लखनऊ वाले घर पर पहुंची हैं और वहां हाईवोल्टेज ड्रामा होता हुआ दिख रहा है। भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वो एक्टर-पति पवन सिंह के घर पहुंची हैं, जहां चारों तरफ पुलिस दिख रही है। वीडियो में वह रोती-बिलखती दिख रही हैं। साथ ही वह जानना चाह रही हैं कि उन्हें अपने पति से मिलने से क्यों रोका जा रहा है। वीडियो में वह रोते हुए कहती हैं, "मैं अपने पति पवन सिंह के घर आई हूं। उन्होंने मेरे खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। अब पुलिस मुझे ले जाने आई है। मैंने कौन सा गुनाह किया है?' ज्योति सिंह ने लोगों से अपील करते हुए कहा, 'मैं आप लोगों के कहने पर यहां आई थी। आपने कहा था कि भाभी आप जाईए, हम लोग देखेंगे कि आपको कौन घर से निकालता है? अब आप फैसला करिए कि मुझे न्याय कैसे मिलेगा।' आगे वीडियो में एक महिला पुलिसकर्मी ज्योती से कहती है कि उन्होंने भी मारपीट की शिकायत दर्ज कराई है। इसपर ज्योति सिंह ने तुरंत इनकार करते हुए कहा, "मैंने ऐसा कुछ नहीं कहा।" फिर वह फोन पर किसी से बात करते हुए भी रोने लगती हैं। आपको बताते चलें कि पवन सिंह की पहली शादी 2014 में नीलम सिंह से हुई थी। इसके तीन महीने बाद ही उनकी पत्नी का निधन हो गया था। इसके बाद साल 2018 में अभिनेता की दूसरी शादी ज्योति सिंह से हुई थी। हालांकि, इस समय दोनों के रिश्तों में कुछ ठीक नहीं चल रहा है और दोनों के बीच तलाक की बातें भी चल रही हैं।

ऐश्वर्या ने ब्लैक ड्रेस में रैंप पर बिखेरा जलवा

लाइफ स्टाइल

मुंबई। फ्रांस की राजधानी पेरिस में फैशन वीक का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन ने शिरकत किया और रैंप वॉक भी किया। ब्लैक ड्रेस में अभिनेत्री ने अपने ग्लैमरस अंदाज से सभी को आकर्षित कर लिया। अभिनेत्री ने हीरे जड़े एक खूबसूरत ब्लैक कलर के आउटफिट में पेरिस फैशन वीक में रैंप वॉक किया और वहां मौजूद दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके ड्रेस की खास बात ये है कि उनके आस्तीन और कोट के बैक पर 10 इंच के हीरे की कढ़ाई हुई है। इसके अलावा, बड़े हीरे और पन्ने वाला ब्रोच उनके लुक को और भी शानदार बना रहे हैं। उनके स्टाइल और कॉन्फिडेंस ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। मेकअप की बात करें तो, अभिनेत्री ने अपने ड्रेस में बोल्ड टच देने के लिए लाल लिपस्टिक लगाई, जो उनके लुक को और आकर्षक बना रहा है।

करवा चौथ पर केवल लाल ही नहीं इन रंगों की साड़ी पर भी दिखेंगी दुल्हन की तरह

फैशन

करवा चौथ का व्रत 10 अक्टूबर को रखा जाएगा। इस दिन महिलाएं सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक निर्जला व्रत रखती हैं और पति के दीर्घायु की कामना करती हैं। करवा चौथ पर महिलाएं पूरे सोलह श्रृंगार कर संजती संवरती हैं। वैसे तो करवा चौथ पर रेड कलर पहनना सबसे ज्यादा शुभ माना जाता है और यह रंग सभी पर खूब जंचता भी है। इस साल करवा चौथ पर अगर आप कुछ अलग कलर की साड़ियां पहनेंगी तो भी नई दुल्हन की तरह ही लगेंगी। लाल रंग की ही तरह ये रंग भी हिंदू धर्म में काफी शुभ माने जाते हैं।

पीली रंग की साड़ी : पीला रंग हिंदू धर्म में बेहद शुभ माना जाता है। किसी भी शुभ-मांगलिक कार्य या तीज-त्योहार के मौके पर इस रंग के कपड़े पहनना शुभ होता है। इस साल करवा चौथ पर आप भी पीली रंग की साड़ी ट्राई कर सकती हैं। इसके साथ आप लाल रंग का ब्लाउज भी मैच कर सकती हैं।

हरे रंग की साड़ी : सुहागिन महिलाओं के लिए लाल रंग की तरह हरा रंग भी काफी शुभ होता है। कजरी तीज से लेकर हरतालिका तीज सभी व्रतों में महिलाएं हरे रंग की साड़ियां ही पहनती हैं। करवा चौथ पर भी आप इस शुभ रंग की साड़ी को ट्राई कर सकती हैं। हरे रंग की साड़ी में गोल्ड की ज्वेलरी आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देंगे।

गुलाबी रंग की साड़ी : गुलाबी रंग बहुत खूबसूरत रंग होता है। आजकल इस रंग की साड़ियों और लहंगे का खूब ट्रेंड है। गुलाबी रंग हर किसी पर खूब जचता है। इस साल करवा चौथ पर आप गुलाबी रंग की साड़ी भी पहन सकती हैं।

आंखों के नीचे पड़े कालेपन और सूजन को हटाने में कारगर है नारियल का तेल

आंखों के नीचे पड़े काले घरे को दूर करने के लिए नारियल के तेल का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह एक प्राकृतिक और असरदार उपाय है। नारियल का तेल त्वचा को नमी देता है और उसे मुलायम बनाता है। इसके गुण त्वचा की मरम्मत करते हैं और सूजन को कम करते हैं। नियमित रूप से रात को सोने से पहले आंखों के नीचे नारियल का तेल लगाने से काले घेरे धीरे-धीरे कम हो सकते हैं।

त्वचा को देता है नमी

नारियल का तेल त्वचा को गहराई से नमी प्रदान करता है। यह खासकर आंखों के नीचे की नाजुक त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद है। जब आप रात को सोने से पहले अपनी आंखों के नीचे नारियल का तेल लगाते हैं तो यह तेल त्वचा में समा जाता है और उसे मुलायम बनाता है। इसके अलावा यह त्वचा को सूखने से बचाता है और उसे टाइट रखता है, जिससे काले घेरे धीरे-धीरे कम हो जाते हैं।

त्वचा की करता है मरम्मत

नारियल के तेल में मौजूद गुण त्वचा की मरम्मत कर सकते हैं और उम्र बढ़ने के मुख्य कारणों से लड़ सकते

हैं। यह गुण आंखों के नीचे की त्वचा को युवा बनाए रखने में मदद कर सकता है। नियमित रूप से रात को सोने से पहले आंखों के नीचे नारियल का तेल लगाने से आपकी त्वचा ताजगी महसूस करेगी और काले घेरे कम होंगे।

कम कर सकता है सूजन

अगर आपकी आंखों के नीचे सूजन होती है तो नारियल का तेल इसमें भी मदद कर सकता है। इसका ठंडा प्रभाव सूजन को कम करता है और आंखों को आराम देता है।

त्वचा को बनाता है मुलायम

नारियल का तेल धीरे-धीरे आंखों के नीचे पड़े काले घेरे को हल्का करने के साथ त्वचा को मुलायम बना सकता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व त्वचा को पोषण देते हैं और उसे स्वस्थ बनाते हैं। नियमित उपयोग से आपकी आंखें तरोताजा दिखेंगी और काले घेरे कम होंगे। इसके अलावा नारियल का तेल लगाने से त्वचा की मरम्मत होती है और वह मुलायम बनती है। इस प्रकार नारियल का तेल एक सरल, असरदार और प्राकृतिक उपाय है।

चनिया चोली को रोजमर्रा में पहनने के लिए अपनाएं ऐसे तरीके, दिखेगा डिफरेंट

चनिया चोली एक पारंपरिक भारतीय परिधान है, जिसे आमतौर पर त्योहारों और विशेष मौकों पर पहना जाता है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि इसे रोजमर्रा के कपड़ों में के साथ मिलाकर भी पहना जा सकता है। आज के फैशन टिप्स में हम आपको ऐसे तरीके बताएंगे, जिनकी मदद से आप चनिया चोली को रोजाना भी पहन पाएंगी। इन तरीकों को अपनाकर आपको एक आरामदायक लुक मिलेगा, जो मॉडर्न और पारंपरिक लुक का मिल होगा।

चोली को जींस के साथ स्टाइल करें : चोली पारंपरिक डिजाइन वाला ब्लाउज होता है, जिसे आप रोजाना भी स्टाइल कर सकती हैं। इसे डेनिम जींस के साथ पहनना बढ़िया निर्णय होगा, जिससे एक आधुनिक लुक मिल जाएगा। आप बेल बॉटम और वाइड लेग जींस के साथ चोली पहनकर बढ़िया लगेंगी। इसे आप अपने कॉलेज या ऑफिस के पारंपरिक समारोहों में पहन सकती हैं। इससे सभी का ध्यान आपकी ओर खिंचेगा और सभी आपकी तारीफ करेंगे।

चनिया के साथ कुर्ती पहनें

चनिया पारंपरिक स्कर्ट होती है, जो गुजरात में बहुत मशहूर है। इस कपड़े के साथ अगर आप चोली नहीं पहनना चाहती हैं तो कुर्ती पेयर कर लें। इस लंबी स्कर्ट के साथ लंबी कुर्ती ही पेयर करें, ताकि वह चनिया को थोड़ा ढक सके। यह आउटफिट आपको कॉलेज के इवेंट में पहनकर जाना चाहिए, जिससे आप सबसे अलग दिखेंगी।

चोली के साथ मिनी स्कर्ट पेयर करें

चोली के साथ डेनिम स्कर्ट पेयर करना भी बहुत अच्छा निर्णय हो सकता है। आपको पारंपरिक लुक के लिए प्रिंटेड डेनिम स्कर्ट पहननी चाहिए। वहीं, आधुनिक लुक पाना चाह रही हैं तो डेनिम मिनी स्कर्ट पहन लें। इस लुक के साथ घुटनों तक की लंबाई वाले बूट पहन लें और ऑक्सीडाइज्ड जेवर स्टाइल करें।

पारंपरिक परिधानों के साथ पहन सकती हैं ऐसी जूतियां, लगेंगी बहुत खूबसूरत

जूती भारत का एक पारंपरिक फुटवियर है, जो आरामदायक होने के साथ-साथ सुंदर भी दिखता है। यह फुटवियर हर पारंपरिक पोशाक को खास बना सकता है। आज-कल बाजार में कई तरह की जूती उपलब्ध रहती हैं, जो अलग-अलग डिजाइनों और रंगों में मिलती हैं।

कढ़ाई वाली जूती : कढ़ाई वाली जूतियों में हाथ से कढ़ाई की जाती है, जिस वजह से ये सबसे सुंदर लगती हैं। ये जूती आमतौर पर रेशमी धागों से बनाई जाती हैं और इनमें पारंपरिक भारतीय डिजाइन होती हैं। इन्हें किसी भी पारंपरिक पोशाक के साथ पहना जा सकता है और ये आपको एक शाही लुक दे सकती हैं। खासतौर पर शादी-ब्याह और त्योहारों जैसे मौकों पर ये

जूतियां बहुत ही आकर्षक लगती हैं।

चमड़े की जूती : चमड़े की जूती आरामदायक होने के साथ-साथ लंबे समय तक चलने वाली होती हैं। इन्हें खासतौर पर लखनवी चिकनकारी या जरी की कारीगरी से सजाया जाता है। यह जूती किसी भी पारंपरिक पोशाक के साथ अच्छी लगती है और इसे पहनकर चलने में आसानी रहती है। इसके अलावा चमड़े की जूतियों का डिजाइन भी बहुत आकर्षक होता है, जो इन्हें खास बनाता है। इन्हें आप रोजमर्रा में भी पहन सकती हैं।

शीशे की सजावट वाली जूती : शीशे की सजावट वाली जूती इन दिनों बहुत चलन में है। इन जूतियों पर छोटे-छोटे शीशे लगे होते हैं, जो इन्हें चमकदार बना देते हैं। इन्हें आप शरारा, सूट और लहंगा जैसे परिधानों के साथ स्टाइल कर सकती हैं। शीशे की सजावट वाली जूती पहनकर आप किसी भी समारोह में आकर्षण का केंद्र बन सकती हैं। इनकी चमक और डिजाइन के चलते ये सभी को पसंद आ जाती हैं।

कार्नर न्यूज

महिलाओं के लिए बेहद खास पर्व, करवा चौथ का व्रत 10 अक्टूबर को

करवा चौथ पर दुल्हन की तरह सजना-संवरना है तो जानें क्या हैं पूरे 16 श्रृंगार

करवा चौथ के दिन महिलाएं चंद्र उदय का बेसब्री के साथ इंतजार करती हैं। करवा चौथ का व्रत 10 अक्टूबर को है। करवा चौथ का व्रत महिलाओं के लिए बेहद खास पर्व होता है। व्रत के दिन महिलाएं 16 श्रृंगार करती हैं और दुल्हन की तरह सजती संवरती हैं लेकिन बहुत कम लोग ही जानते हैं कि कौन-कौन से हैं 16 श्रृंगार और इसके पीछे की मान्यताएं है।

मांग टीका

मांग टीका जब तक माथे पर न सजे, दुल्हन भी दुल्हन नहीं लगती है। मांग टीका लगाने से चेहरे की शोभा बढ़ा देता है। जिससे सबकी नजर यूं ही टिक जाती है। आजकल बाजार में एक से बढ़कर एक टीके उपलब्ध हैं, जिनमें कुंदन, स्टोन, मोती, मीनाकारी और फूलों से बने मांगटीके प्रमुख हैं।

चेहरे को सुंदर बनाती है नथ

नथ या नथनी आपके चेहरे की रौनक को बढ़ाने में बेहद खास भूमिका अदा करती है। मांग टीका और नथनी आपके चेहरे की रौनक को बढ़ा देता हैं। नथनी से दुल्हन की तरह अपने चेहरे की रौनक बढ़ जाती है। आरती कर्णफूल यानि ईयररिंग्स आज के समय में इन्हें बोलचाल की भाषा में ईयरिंग्स कहा जाता है। आप चाहें तो पारंपरिक झुमके या फिर लटकन पहन सकती हैं। इसके अलावा सेट के साथ या फिर अपने परिधान से मिलते-जुलते इयररिंग आपकी खूबसूरती को चार चांद लगा देंगे।

माथे पर दमके बिंदिया

बिंदी के बिना सुहागन का श्रृंगार अधूरा रहता है। करवाचौथ के दिन पिया के नाम की बिंदी लगाना जरूरी होता है। माथे पर चांद सी दमकती बिंदिया आपकी आभा का निखारने में कोई कसर नहीं छोड़ती है। बिंदी आपके पिया को करीब होने का एहसास दिलाती है।

बालों में गजरा

काले, घने और लंबे बाल नारी की सुंदरता को बढ़ा देता है। हर किसी का दिल जीतने के लिए काले बालों पर यह सफेद गजरा बहुत जचतें हैं। आप चाहें तो जूड़ा बना सकते हैं या चोटी बनाएं या फिर बालों को खुला रखें, इस दिन गजरे से आपकी शोभा बढ़ जाएगी।

हाथों में दिखना चाहिए सुर्ख मेंहदी

करवा चौथ पर पिया के नाम की मेंहदी सभी सुहागिनों को लगाना चाहिए। माना जाता है कि मेंहदी का रंग जितना गहरा होगा, उतना ही वो आपके प्रेम को दर्शाता है। तो करवाचौथ पर पिया के नाम की मेंहदी लगाएं।

रंग-बिरंगी चूड़ियां

हाथों में चूड़ियों की खनक, न केवल पति-पत्नी के प्रेम की ओर संकेत करती हैं, बल्कि मन को प्रफुल्लति भी रखती हैं। ये चूड़ियां की खनन से आपकी मेहंदी वाली हाथों में खूब जंचेगा। खनकती चूड़ियों को पहनने में कोई कोताही न बरतें।

सही परिधान

खास तौर से साड़ी, लहंगा या कोई पारंपरिक परिधान आपके करवाचौथ को खास बनाती है। ऐसे में आप अपनी शादी का जोड़ा पहनकर, सुहानी यादों को ताजा कर सकती हैं।